mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-212 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
02 अगस्त 2026 रविवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

पंजाब में 40 लाख महिलाओं को 3 हजार मिले

» भगवंत मान बोले- बहनों ने मुयमंत्री बना दिया, फोन पर टूं-टूं न करवाई तो या फायदा

पठानकोट,एजेंसी। पंजाब में 18 साल से बड़ी उम्र की 40 लाख महिलाओं के मोबाइल पर शनिवार को टूं-टूं हुई। आम आदमी पार्टी (AAP) सरकार ने 'मुख्यमंत्री मावां-धीयां सत्कार योजना' के तहत इनके खाते में पैसे ट्रांसफर किए। जनरल वर्ग की महिलाओं के खाते में 3 हजार और SC वर्ग की महिलाओं के खाते में 4500 रुपए आए। पठानकोट में हुए कार्यक्रम में सीएम भगवंत मान ने कहा कि हमने जनता से किए सारे वादे पूरे किए हैं। पहले मुझे कोई जानता तक नहीं था, लेकिन महिलाओं ने मुझे मुख्यमंत्री बना दिया।

अब उनके फोन पर टूं-टूं न करवाई तो क्या फायदा।1500 मिलने से कोई अमीर नहीं होगा। इस योजना से पहली बार लाभार्थी महिलाओं को 3 महीने की रकम एक साथ मिली है। इससे पहले 32 लाख महिलाओं के खाते में रकम ट्रांसफर की जा चुकी है।

इस कार्यक्रम के बाद AAP सरकार 2027 के चुनाव से पहले अपनी सबसे बड़ी गारंटी में करीब 98 लाख में से 72 लाख महिलाओं को कवर कर लिया। सीएम मान बोले-32 लाख महिलाओं को 1 जुलाई को पैसे ट्रांसफर किए थे आज 40 लाख महिलाओं को बटन दबाकर पैसे ट्रांसफर कर दिए गए हैं।

पहली बार बिना सामान के चीन पहुंचे भारतीय व्यापारी:

6 साल बाद भारत-तिब्बत ट्रेड शुरू, 2019 से तकलाकोट में छूटा है करोड़ों का माल

पिथौरागढ़,एजेंसी। उत्तराखंड के लिपुलेख दर्रे से 6 साल बाद भारत-तिब्बत परंपरागत व्यापार शनिवार से फिर शुरू हो गया है। पहले दल में 16 भारतीय व्यापारी और 4 हेल्पर तिब्बत के तकलाकोट मंडी पहुंचे। खास बात यह रही कि इतिहास में पहली बार भारतीय व्यापारी बिना सामान के चीन गए। सीमा पर चीनी प्रशासन ने उनके दस्तावेजों की जांच के बाद प्रवेश दिया, जबकि व्यापारियों का सामान अब भी पिथौरागढ़ के गुंजी में रखा हुआ है। वहीं, वर्ष 2019 से भारतीय व्यापारियों का करोड़ों रुपए का माल तकलाकोट में भी छूटा हुआ है।

जून से जुलाई तक टलता रहा व्यापार: कोरोना महामारी और भारत-चीन संबंधों में आई तल्खी के कारण वर्ष 2020 से दोनों देशों के बीच परंपरागत व्यापार पूरी तरह बंद था। इस साल जून में व्यापार शुरू होना था, लेकिन औपचारिकताओं और चीन की ओर से लगातार बदलते नियमों के कारण प्रक्रिया टलती रही। 8 जुलाई को व्यापारी सामान लेकर गुंजी तक पहुंच गए थे। उन्हें ट्रेड पास भी जारी कर दिए गए थे, लेकिन रवाना होने से ठीक एक दिन पहले चीन के पुरांग काउंटी प्रशासन ने व्यवस्थाएं पूरी न होने का हवाला देकर व्यापारियों की एंट्री रोक दी। इसके बाद व्यापारी अपना सामान गुंजी में छोड़कर वापस धारचूला लौट आए।

फिलहाल सिर्फ 20 लोगों को मंजूरी... व्यापार शुरू होने को लेकर सीमांत क्षेत्र के व्यापारियों में काफी उत्साह था। प्रशासन ने 134 व्यापारियों और सहायकों के ट्रेड पास जारी किए थे। हालांकि बाद में चीन की ओर से नया आदेश जारी कर फिलहाल केवल 20 लोगों को तकलाकोट जाने की अनुमति दी गई। चीनी प्रशासन ने स्पष्ट किया कि पहले चरण में केवल उन्हीं व्यापारियों को प्रवेश मिलेगा, जो वर्ष 2019 में तकलाकोट गए थे और जिनका सामान वहां छूट गया था।

: ब्रीफ बॉस :

4 दिन की बेटी को नीले ड्रम में डुबोकर मार-डाला

मां ने पानी के अंदर तड़पाया, शव गोद में लेकर बैठी; दूसरी बेटी होने से नाराज थी

सीधी,एजेंसी। मध्य प्रदेश के सीधी जिले में मां ने अपनी 4 दिन की बेटी को तड़पा-तड़पाकर मार डाला। मां ने बच्ची को नीले ड्रम में भरे पानी में डुबो दिया। पानी में ज्यादा देर तक डूबने से बच्ची का दम घुट गया। मामला चुरहट के भेलकी गांव का है। मृत बच्ची की पहचान प्रिशा पटेल (4 दिन) के रूप में हुई है। उसके पिता पंकज पटेल और मां सोनू पटेल (21) हैं। पुलिस के अनुसार, बच्ची का शव पानी से भरे ड्रम में मिला है। मर्डर के बाद मां अपने बेटी के शव को गोद में लेकर बैठी रही।

परिजन के अनुसार, सोनू पटेल ने 26 जुलाई को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चुरहट में बच्ची को जन्म दिया था।

भजनलाल सरकार का बड़ा दांव

राजस्थान विधानसभा में पेश होगा यूसीसी विधेयक

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान विधानसभा का मानसून सत्र 20 अगस्त से प्रारंभ होगा। सत्र करीब करीब दो सप्ताह चलने से संभावना है। सत्र में भजनलाल शर्मा सरकार राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े की अनुमति के बाद समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक और पेपर लीक कानून में संशोधन से जुड़ा संशोधित विधेयक पारित करवाएगी। यूसीसी के मुद्दे पर सदन में हंगामा होने की संभावना है। कांग्रेस यूसीसी कानून का शुरू से ही विरोध कर रही है। साथ ही स्थानीय निकाय एवं पंचायत चुनाव के मुद्दे पर भी सदन में हंगामा हो सकता है।

जंतर-मंतर प्रोटेस्ट; पीएम को गाली देने वाली लड़की ने माफी मांगी

कहा- मैं 15 साल की, मेरी पहली और आखिरी गलती

» दीपके बोले-या केस वापस होगा

नई दिल्ली,एजेंसी। जंतर-मंतर पर पीएम मोदी को गाली देने वाली लड़की ने माफी मांगने का वीडियो जारी किया है। उसने कहा, 'मैं सिर्फ 15 साल की हूं, यह मेरी पहली और आखिरी गलती थी। मैं बहकावे में आ गई थी।' वीडियो सामने आने के बाद कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने शनिवार को पूछा, 'क्या सरकार केस भी वापस लेगी।' लड़की के खिलाफ 30 जुलाई को नोएडा में केस दर्ज हुआ था। इधर, पीएम मोदी ने शुक्रवार रात इंस्टाग्राम पर रील शेयर की थी। इसमें उन्होंने कहा था, 'मुझे और मेरी मां को भद्दी-भद्दी गालियां देने वाले बच्चों को माफ करना चाहता हूं।'

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में यह लड़की हाथ जोड़कर अपने बयान पर माफी मांगती नजर आ रही है। वीडियो में लड़की कहती है, 'मैं 15 साल की हूं। अपने दोस्तों के साथ कनॉट प्लेस घूमने गई थी। वहां छात्र प्रदर्शन चल रहा था और आसपास मौजूद कुछ लोग पीएम के खिलाफ आपत्तिजनक नारे लगा रहे थे। मैं उसी माहौल और भीड़ के बहकावे में आ गई।'

सड़कों पर पशुओं से हादसों में मुआवजा दिया जाए

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- केंद्र और राज्य सरकारें इसके लिए कानूनों में संशोधन करें

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सड़कों पर घूम रहे आवारा पशुओं से होने वाले हादसों पर गंभीर चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा- पशुओं को नेशनल हाईवे, सड़कों और गलियों में यूं ही नहीं छोड़ सकते। वे नेचुरल स्पीड ब्रेकर नहीं हैं। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने शुक्रवार को केंद्र और राज्य सरकारों से ऐसे हादसों के पीड़ितों को मुआवजा देने का नियम बनाने को कहा। साथ ही सुझाव दिया कि जरूरत हो तो इसके लिए कानूनों और नियमों में संशोधन भी किया जाए।

सांड के हमले में पति की मौत पर ?15 लाख मुआवजा: कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों को यह सलाह पंजाब के संगरूर की रहने वाली निशा की याचिका पर दी। निशा के पति विजय की 21 सितंबर 2007 को सड़क पर पैदल जाते समय आवारा सांड के हमले में मौत हो गई थी।

कोर्ट ने राज्य सरकार को आदेश दिया कि महिला को चार सप्ताह में 15 लाख मुआवजा दें। साथ ही कोर्ट ने कहा- हालांकि, इसे भविष्य के मामलों में नजीर नहीं माना जाएगा।

पशुपालकों को पूरे जीवन अपने पशु की जिम्मेदारी निभानी होगी... कोर्ट ने कहा- लावारिस पशुओं की समस्या का सबसे बड़ा कारण उन्हें आर्थिक रूप से अनुपयोगी होने पर छोड़ देना है। पशुपालक सिर्फ पशु पालने तक सीमित नहीं रह सकते, बल्कि उनके पूरे जीवन की जिम्मेदारी भी उनकी है। यदि किसी कारण पशु नहीं रख सकते तो गौशाला या आश्रय गृह में सौंपें, सड़कों पर न छोड़ें। समाज उपयोगिता खत्म होने पर पशु को छोड़ देता है। वहीं, उनके दूसरे उपयोगों का विरोध करता है। यह भी समस्या की एक वजह है।

उदयपुर में पन्नाधाय की जाति को लेकर छिड़ा विवाद

- गुर्जर समाज बोला- धाय मां गुर्जर थी
- भारत सरकार की किताब में 'खीची राजपूत' बताया गया

उदयपुर,एजेंसी। मेवाड़ के इतिहास में अपने पुत्र का बलिदान देकर राजवंश की रक्षा करने वाली मां 'पन्नाधाय' की जाति को लेकर उदयपुर में नया विवाद खड़ा हो गया है। गुर्जर समाज ने 'पन्नाधाय' को गुर्जर जाति का बताते हुए भारत सरकार की किताब 'भारत के नारी रत्न' में दिए गए तथ्यों पर कड़ा एतराज जताया है।

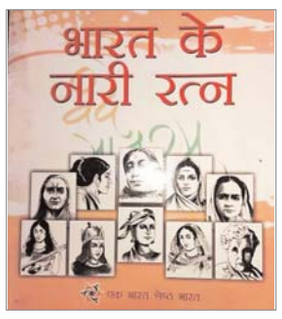

भारत सरकार के प्रकाशन विभाग की ओर से वर्ष 2022 में छपी (8वां संस्करण) पुस्तक 'भारत के नारी रत्न' में पन्नाधाय को 'खीची राजपूत वंश की क्षत्राणी' बताया गया है। गुर्जर समाज ने इसे ऐतिहासिक तथ्यों के साथ छेड़छाड़ और वास्तविक पहचान को बदलने का प्रयास बताया है।

गुर्जर समाज सेवा समिति के अध्यक्ष नारायण लाल गुर्जर ने कहा- 'भारत के नारी रत्न' के पेज नंबर-8 पर पन्नाधाय की मूल ऐतिहासिक पहचान को बदल दिया गया है। यह न केवल पन्नाधाय के महान बलिदान का अपमान है, बल्कि भावी पीढ़ी के सामने गलत इतिहास परोसने की कोशिश है।

कलेक्टर के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, संशोधन की मांग... 31 जुलाई को गुर्जर समाज सेवा समिति उदयपुर के बैनर तले अलग-अलग इलाकों से आने वाले समाज के प्रतिनिधियों का एक मंडल उदयपुर जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल से मिलने पहुंचा। कलेक्टर के मौजूद न होने पर समाज के लोगों ने एसडीएम (गिर्वा) अवुल साईकृष्णा

गुजरात के सूरत में 24 घंटे में 24 इंच बारिश

केरल में लैंडस्लाइड से 4 की मौत, अमरनाथ यात्रा स्थगित

राजस्थान-बिहार समेत 18 राज्यों में अलर्ट

नई दिल्ली,एजेंसी। गुजरात में शुक्रवार को हुई भारी बारिश के कारण कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात बन गए। सूरत में सबसे अधिक 24 इंच बारिश दर्ज की गई, जबकि 12 अन्य क्षेत्रों में 10 इंच से अधिक बारिश रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग (IMD) ने शनिवार को गुजरात और केरल राज्य के कई जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। केरल में भी लगातार हो रही भारी बारिश के कारण कई इलाकों में बाढ़ और लैंडस्लाइड जैसे हालात हैं। इडुक्की और कोट्टायम जिलों में अलग-अलग लैंडस्लाइड की घटनाओं में 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। मौसम विभाग ने पूर्वी राजस्थान, मध्य महाराष्ट्र, गोवा और कर्नाटक के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली और बिहार समेत 12 राज्यों में यलो अलर्ट जारी किया गया है। जम्मू-श्रीनगर हाईवे भारी बारिश के चलते बंद है। इसके चलते जम्मू से अमरनाथ यात्रा स्थगित कर दी गई है।

दिल्ली में बढ़े इन्फ्लूएंजा के मरीज : मानसून की बारिश और मौसम में बदलाव के बीच दिल्ली-NCR में H1N1 इन्फ्लूएंजा के मामले बढ़ गए हैं। AIIMS दिल्ली के मेडिसिन विभाग में मेडिसिन के प्रोफेसर डॉ. संजीव सिन्हा ने बताया मानसून के दौरान तापमान कम हो जाता है। तापमान में बदलाव के कारण इन्फ्लूएंजा वायरस ज्यादा फैल रहा है। मरीजों को गले में खराश, नाक बहना, सूखी खांसी और सिरदर्द जैसी समस्याएं हो रही हैं।

जम्मू से अमरनाथ यात्रा रोकी गई: शनिवार को जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप से अमरनाथ यात्रा रोक दी गई, क्योंकि लगातार बारिश के कारण 250 किलोमीटर लंबा जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे लगातार दूसरे दिन भी बंद रहा। अधिकारियों ने बताया कि उधमपुर जिले में हाईवे के लधा-समरोली हिस्से पर मरम्मत का काम चल रहा है, इसलिए तीर्थयात्रियों के किसी भी नए जत्थे को जम्मू बेस कैंप से कश्मीर घाटी के लिए जाने की इजाजत नहीं दी गई।

असम में बाढ़ से 82 लोगों की मौत... असम में बाढ़ से पिछले 24 घंटे में दो और लोगों की मौत हो गई। इसके साथ ही बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 82 हो गई है।

रिपोर्ट: अमेरिका-इजराइल इस हफ्ते ईरान पर हमला कर सकते हैं

बिजली प्लांट-रिफाइनरी निशाने पर होंगे; ट्रम्प बोले- ईरान पर भरोसा खत्म हो रहा

वॉशिंगटन डीसी/ तेहरान/तेल अवीव,एजेंसी। अमेरिका और इजराइल ईरान के ऊर्जा ढांचे पर बड़े हमले की तैयारी कर रहे हैं। CBS न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, इस हफ्ते बिजली संयंत्रों और तेल रिफाइनरियों को निशाना बनाया जा सकता है। इस सैन्य योजना पर शुक्रवार को कैंप डेविड में हुई ट्रम्प की कैबिनेट बैठक में भी चर्चा हुई। बैठक के दौरान ट्रम्प ने कहा, 'हम ईरान पर बहुत जोरदार हमला करेंगे।' उन्होंने यह भी कहा कि अब उन्हें ईरान पर भरोसा नहीं रहा, क्योंकि 'वे झूठ बोलते हैं, बातचीत की बात करते हैं, लेकिन बार-बार अपना वादा तोड़ देते हैं।' दूसरी तरफ ईरान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अगर अमेरिका हमला करता है तो उसका जवाब पूरी तैयारी के साथ दिया जाएगा। उनके मुताबिक, जवाबी कार्रवाई में अमेरिका और इजराइल के अहम सैन्य ठिकानों और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया जाएगा।

आंध्र प्रदेश में भोगापुरम एयरपोर्ट समेत 18000 करोड़ के प्रोजेक्ट्स शुरू

- मोदी बोले-पहले एयरपोर्ट के नाम एक ही परिवार पर थे,हमने परंपरा बदली

अमरावती,एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी शनिवार को आंध्र प्रदेश के अमरावती पहुंचे। यहां उन्होंने भोगपुरम एयरपोर्ट समेत 18000 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

इस दौरान उन्होंने चुट्टिलू कॉटेज की डिजाइन पर बने भोगपुरम एयरपोर्ट पर फैसिलिटीज देखीं। विजयनगरम जिले के भोगपुरम का अल्लूरी सीताराम राजू एयरपोर्ट करीब 5,000 करोड़ रुपए की लागत से बना है।

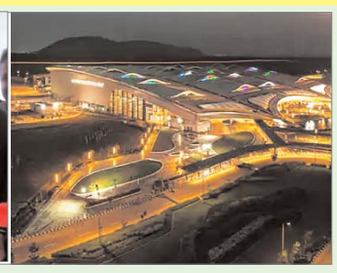

रोड शो करते हुए मंच तक पहुंचे पीएम ने कहा- पहले देश में एयरपोर्ट के नाम एक ही परिवार के नाम पर होते थे, लेकिन हमारी सरकार ने इस परंपरा को बदल दिया। 12 साल में सिर्फ एयरपोर्ट की संख्या ही नहीं बढ़ी है, हमारी उड़ान योजना के कारण आज गरीब परिवारों को लोगों भी फ्लाइट में बैठने का अवसर मिल रहा है। इस योजना ने गरीब से गरीब को अपना सपना पूरा करने में मदद की है। कुछ दिन पहले ही सरकार ने उड़ान योजना के दूसरे फेज की शुरुआत की है, इस पर भी 29 हजार करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। साथियों. एविएशन सेक्टर में देश ने एक और बड़ा माइलस्टोन हासिल किया है।

पीएम ने कहा- 12 साल में एविएशन से टर में असाधारण प्रगति की... बीते 12 साल में देश के एविएशन सेक्टर ने असाधारण प्रगति की है। 2014 तक देश में केवल 74 एयरपोर्ट ऑपरेशनल थे, आज यह संख्या 166 है। एक समय था जब हवाई उड़ाने सिर्फ बड़े शहरों तक सीमित थी, NDA सरकार में आज छोटे शहर के साधारण लोग भी फ्लाइट आ जा रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में पहलगाम जैसा हमला

आतंकियों ने ईंट भट्टा मजदूरों के नाम पूछे, 2 हिंदुओं को अलग करके गोली मारी, मौत

श्रीनगर,एजेंसी। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम में शुक्रवार रात करीब 8:30 बजे पहलगाम जैसा हमला हुआ। आतंकवादियों ने ईंट-भट्ठे पर काम कर रहे 2 हिंदू मजदूरों को नाम पूछकर गोली मार दी। दोनों मृतक छत्तीसगढ़ के रहने वाले थे। हमले में एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, दूसरे ने शनिवार सुबह श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (SKIMS) में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मारे गए युवकों की पहचान 24 साल के दीपक रात्रे और 28 साल के भूपेंद्र के रूप में हुई है।

भट्ठे पर यही दोनों हिंदू थे: अधिकारियों के अनुसार, हमला कुलगाम से करीब 20 किलोमीटर दूर केलाम में हुआ। स्थानीय लोगों के मुताबिक, उन्होंने 10-12 राउंड फायर की आवाज सुनी। घटना के समय वहां कई प्रवासी मजदूर थे, लेकिन सिर्फ यही दोनों हिंदू थे। इस हमले के बाद घटनास्थल के चारों तरफ करीब दो किलोमीटर का इलाका सील कर दिया गया है। आतंकियों की तलाश की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि एक बाइक पर 2 आतंकी आए थे।

एक आतंकी के पाकिस्तानी होने का शक... सूत्रों ने बताया कि जांच एजेंसियों को हमले में एक स्थानीय और एक पाकिस्तानी आतंकी के शामिल होने का शक है। शुरुआती जांच का फोकस मोहम्मद लतीफ पर है। वह पिछले साल TRF में शामिल हुआ था। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि मृतकों के परिवार को पहले से दिए जा रहे 6 लाख के मुआवजा के अलावा मुख्यमंत्री राहत कोष से भी ?10 लाख की राशि दी जाएगी।

संसद में भगवा पहनकर नुक्कड़ नाटक कर बुरे फंसे पप्पू यादव, स्पीकर ओम बिरला की नाराजगी के बाद एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद परिसर में शुक्रवार को कथित राम मंदिर चंदा गबन मामले को लेकर किए गए विरोध प्रदर्शन के बाद पूर्णिया से सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव की मुश्किलें बढ़ गई हैं। राष्ट्रीय राजधानी के जहांगीरपुरी थाने में उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि प्रदर्शन के दौरान उन्होंने धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई।

धार्मिक प्रतीकों के अपमान का आरोप: यह शिकायत सूर्य मैथिल ने दर्ज कराई है।

उनका आरोप है कि संसद परिसर के बाहर हुए प्रदर्शन के दौरान पप्पू यादव ने धार्मिक प्रतीकों का अपमान किया। शिकायतकर्ता का कहना है कि प्रदर्शन में भगवान रामलला विराजमान की तस्वीर को पैरों के नीचे रखा गया, जिससे सनातन को मानने वालों की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस प्रदर्शन को राहुल गांधी, डिंपल यादव, अवधेश प्रसाद समेत INDI गठबंधन के कई सांसदों

का समर्थन प्राप्त था।

संसद परिसर में नुक्कड़ नाटक के जरिए विरोध: शुक्रवार को संसद परिसर में विपक्षी सांसदों ने कथित राम मंदिर चंदा चोरी के आरोपों को लेकर प्रतीकात्मक प्रदर्शन किया। इस दौरान 'चंदा चोर, गद्दी छोड़', 'जवाब तुमको देना होगा' और 'अमित शाह, सदन में आओ' जैसे नारे लगाए गए। प्रदर्शन के दौरान पप्पू यादव भगवा वस्त्र पहनकर मंदिर के पुजारी की भूमिका में नजर आए। उनके हाथ में भगवान राम की तस्वीर थी और उन्होंने दान संग्रह का प्रतीकात्मक दृश्य प्रस्तुत किया।

जेब में रखे दान के पैसे: प्रदर्शन के दौरान विपक्षी सांसद श्रद्धालुओं की भूमिका निभाते हुए दान पात्र में पैसे डालते दिखे, जबकि पुजारी की भूमिका निभा रहे पप्पू यादव प्रतीकात्मक रूप से वही पैसे अपनी जेब में रखते नजर आए। इसके बाद समाजवादी पार्टी के एक सांसद, जो श्रद्धालु की भूमिका निभा रहे थे, ने इस कथित 'अनियमितता' पर आपत्ति जताई। पूरे प्रदर्शन को नुक्कड़ नाटक की शैली में प्रस्तुत किया गया।

संसद में ऐसे प्रदर्शनों पर सख्ती की तैयारी

सूत्रों के मुताबिक, संसद परिसर में इस तरह के वेशभूषा आधारित और नाटकीय प्रदर्शनों पर लोकसभा सचिवालय ने कड़ा रुख अपनाया है। सचिवालय ने स्पष्ट किया है कि संसद परिसर में इस प्रकार के प्रदर्शन की अनुमति नहीं होगी। बताया जा रहा है कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी पूरे घटनाक्रम पर नाराजगी जताई है और मौजूदा दिशा-निर्देशों को सख्ती से लागू करने की तैयारी की जा रही है।

विपक्ष ने बताया प्रतीकात्मक प्रदर्शन

समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा कि यह प्रदर्शन अयोध्या में दान से जुड़े आरोपों की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए किया गया था। उनका कहना है कि श्रद्धालुओं से दान लिया गया, लेकिन रसीद नहीं दी गई और कथित तौर पर सीसीटीवी फुटेज भी हटा दी गई। उन्होंने इस पूरे मामले पर संसद में चर्चा कराने की मांग की। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने विपक्ष के प्रदर्शन की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि इस तरह की हरकतों से सनातन धर्म को बदनाम करने का प्रयास किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी वोट बैंक की राजनीति के लिए सनातन का अपमान कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सनातन समाज इसका जवाब देगा और इस तरह के कृत्य को कभी माफ नहीं किया जाएगा।

क्या पुलिस मार खाती रहे' गृह मंत्री पर लगे आरोपों और पैलेट गन के दावों पर पूर्व एसीपी का करारा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में सीजेपी के संसद चलो मार्च में हुई हिंसा के दौरान पुलिस द्वारा की कार्रवाई का दिल्ली पुलिस महासंघ की ओर से पूर्व एसीपी केपी कुकरेती ने बचाव करते हुए कहा कि राजनीतिक पार्टी के नेताओं द्वारा केंद्रीय गृह मंत्री और पुलिस बल पर लगाए जा रहे सभी आरोप बेबुनियाद है। उन्होंने संसद में नेताओं द्वारा दिए जा रहे बयानों पर तीखा तंज कसते हुए कहा कि संसद में बैठे जिम्मेदार नेताओं के पास न तो पुलिस ट्रेनिंग का कोई अनुभव है और न ही वह कानूनी विशेषज्ञ हैं। यहां आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि नेताओं का यह दावा पूरी तरह गलत है कि केंद्रीय गृह मंत्री व्यक्तिगत तौर पर हर जमीनी कार्रवाई का पुलिस को आदेश देते हैं।

दिल्ली हाई कोर्ट ने दो पूर्व अधिकारियों को पेड़ काटने की अनुमति देने पर अवमानना का दोषी ठहराया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली सरकार के पूर्व टॉप फॉरेस्ट ऑफिसर और एक अन्य अधिकारी को कोर्ट के पिछले आदेश का उल्लंघन करते हुए ग्रेटर कैलाश पार्ट में दो बड़े पेड़ों को काटने की इजाजत देने के लिए कोर्ट की अवमानना का दोषी ठहराया है। जस्टिस जसमीत सिंह ने पूर्व प्रिंसिपल चीफ कंजर्वेटर ऑफ फॉरेस्ट्स सीडी सिंह और पूर्व ट्री ऑफिसर (साउथ फॉरेस्ट डिवीजन) मंदीप मित्तल को कंटेम्प्ट ऑफ कोर्ट्स एक्ट के सेक्शन 12 के तहत 28 अप्रैल, 2022 और 19 मई, 2022 को पहले के एक कंटेम्प्ट केस में दिए गए आदेशों को जानबूझकर न मानने का दोषी पाया।

बार-बार निर्देश दिए: कोर्ट ने 22 जुलाई के अपने आदेश में कहा, 'कोर्ट के बार-बार दिए गए निर्देशों के बावजूद, जिसमें ट्री ऑफिसर्स को पेड़ काटने की इजाजत देने से पहले विचार करने की जरूरत थी। इसमें हर पेड़ की तस्वीरों के साथ इजाजत देने के आदेश में इजाजत देने या नहीं देने के कारण बताना शामिल है।' कोर्ट ने अब दोनों अधिकारियों से एक एफिडेविट फाइल करने को कहा है, जिसमें वे बताएं कि उन्हें जेल (जो छह महीने तक बढ़ सकती है) या जुर्माना क्यों न लगाया जाए। कोर्ट इस मामले की अगली सुनवाई 2 सितंबर को करेगा।

ईशा फाउंडेशन केस में दिल्ली एचसी से नक्कीरन पब्लिकेशन्स को झटका, यूट्यूब से हटेंगे मानहानि वाले 49 वीडियो

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने तमिलनाडु के एक साप्ताहिक तमिल पत्रिका नक्कीरन पब्लिकेशन्स के खिलाफ सद्गुरु के ईशा फाउंडेशन द्वारा दायर मानहानि के मुकदमे में पर अहम आदेश पारित किया है। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने ईशा फाउंडेशन से जुड़े 44 शार्ट वीडियो और पांच अंग्रेजी भाषा के वीडियो को हटाने का आदेश दिया है। पीठ ने गूगल एलएलसी को वीडियो हटाने का आदेश दिया। पीठ ने कहा कि उसके अंतरिम आदेश में पहले से शामिल वीडियो के अलावा, अतिरिक्त लिंक भी हटाए जाने चाहिए। पीठ ने अपने पहले के आदेश को पूरी तरह से लागू करने के लिए संशोधन को जरूरी माना, क्योंकि अतिरिक्त वीडियो उस सामग्री का हिस्सा थे जिस पर निषेधाज्ञा की कार्यवाही में पहले ही विचार किया गया था।

पहले के आदेश में क्या कहा गया था: 19 मार्च के अपने आदेश में पीठ ने तमिल साप्ताहिक पत्रिका और उसके संपादक को फाउंडेशन के खिलाफ मानहानिकारक सामग्री बनाने, प्रकाशित करने, अपलोड करने या फैलाने से रोक दिया था। साथ ही ईशा फाउंडेशन द्वारा पहचाने गए यूट्यूब वीडियो और लेखों को हटाने का निर्देश दिया था। अपने नए आवेदन में, फाउंडेशन ने तर्क दिया कि हालांकि पहले के आदेश में निषेधाज्ञा आवेदन में उल्लिखित लिंक का जिक्र था, लेकिन उसमें गलती से 39 वीडियो और पांच अंग्रेजी भाषा के वीडियो छूट गए थे।

याचिका पर अदालत ने क्या कहा: वहीं, याचिका का विरोध करते हुए, तमिल साप्ताहिक पत्रिका और उसके संपादक ने तर्क दिया कि यह आवेदन असल में एक समीक्षा याचिका है और इसमें अतिरिक्त सामग्री जोड़कर अंतरिम निषेधाज्ञा के दायरे को बढ़ाने की मांग की गई थी। हालांकि, पीठ ने कहा कि अदालत की राय में यह स्पष्ट है कि 39 शार्ट वीडियो और पांच अंग्रेजी वीडियो के लिए अलग से सुनवाई की जरूरत नहीं है, क्योंकि वे पूर्व याचिका का हिस्सा हैं।

बिना इस्तेमाल ही जर्जर हो गए 24 हजार फ्लैट, प्रोजेक्ट पर दिल्ली एचसी का सवाल- कौन है जिम्मेदार

नई दिल्ली, एजेंसी। जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीनीकरण मिशन के तहत बने फ्लैटों की रहने लायक स्थिति न होने पर दिल्ली हाई कोर्ट ने सख्त नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रोजेक्ट पर दो हजार करोड़ खर्च किए जा चुके हैं। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय व न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ ने कहा कि इस प्रोजेक्ट के कारण सार्वजनिक धन की बर्बादी हुई है, क्योंकि पहले बने मकान रहने लायक नहीं हैं और अब उन्हें विशेष मरम्मत की जरूरत है। पीठ ने अधिकारियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि मकान बनने के बाद कब्जा न देने के लिए जिम्मेदार कौन है? पीठ ने दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डुसिब) को फटकार लगाते हुए कहा कि अगर अधिकारी पहले से नहीं सोच सकते थे तो बनाया ही क्यों? क्या आप करदाताओं के 2,000 करोड़ की बर्बादी की अनुमति दे सकते हैं?

क्या अब फिर 2,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे: पीठ ने यह भी कहा कि जेएनएनयूआरएम गरीबी दूर करने के लिए था। पीठ ने कहा कि दो हजार करोड़ रुपये की लागत से पहले 2008 से लेकर 2026 तक, घर बनाए गए और अधिकारी कह रहे हैं कि ये रहने लायक नहीं है। पीठ ने कहा कि अगर इन फ्लैटों की विशेष मरम्मत के लिए 2,000 करोड़ रुपये और चाहिए। अदालत ने उक्त टिप्पणी डुसिब द्वारा एक याचिका पद दाखिल की गई स्थिति रिपोर्ट पर की। जिसमें कहा गया था कि जेएनएनयूआरएम के तहत बने 24,284 घरों की स्थिति अब रहने लायक नहीं है। यह मामला एकल पीठ के निर्णय को चुनौती देने वाली रेस कोर्स इलाके में प्रधानमंत्री आवास के पास तीन झुग्गी बस्तियों के निवासियों की याचिका से जुड़ी हे। निवासियों ने 11 मई के एकल पीठ के निर्णय को चुनौती देते हुए कहा था कि उन्हें जगह खाली करने के बदले 45 किमी दूर सवदा घेवरा स्थानांतरित करने को कहा गया था।

आईबी अधिकारी हत्याकांड: दंगे से जुड़े मामलों में पहली बार उम्रकैद, पीड़ितों में जगी न्याय की उम्मीद

नईदिल्ली, एजेंसी। उत्तर पूर्वी दिल्ली दंगों के करीब छह साल बाद आईबी कर्मी अंकित शर्मा हत्याकांड में अदालत का बड़ा फैसला सामने आने के बाद अन्य पीड़ित परिवारों में फिर से न्याय की उम्मीद जगी है। अंकित की हत्या में अदालत ने पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन समेत पांच दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। यह दंगों से जुड़े मामलों में पहला बड़ा और चर्चित मर्डर केस है, जिसमें दोषियों को सजा मिली है। दंगों में 53 लोगों ने जान गई थी, इनमें से ज्यादातर के परिजनों को अब भी न्याय का इंतजार है।

सबूतों के आधार पर आरोप साबित: अदालत ने अपने फैसले में माना कि अंकित शर्मा की हत्या एक हिंसक भीड़ द्वारा की गई, जिसमें दोषी शामिल थे। उनका शव दंगों के दौरान नाले से बरामद हुआ था और जांच के दौरान कई गवाहों, तकनीकी साक्ष्यों

और परिस्थितिजन्य सबूतों के आधार पर आरोप साबित हुए इस फैसले को इसलिए भी अहम माना जा रहा है, क्योंकि दंगों से जुड़े कई गंभीर मामलों में अब तक अंतिम फैसला नहीं आ पाया था। हालांकि, अदालत ने इसे रेयरेस्ट ऑफ द रेयर मानने से इनकार किया और फांसी की सजा नहीं दी, लेकिन उम्रकैद का फैसला यह संकेत देता है कि गंभीर मामलों में सख्त सजा संभव है।

कुछ अन्य मामलों में भी हो चुकी है सजा

अंकित शर्मा केस के अलावा दंगों के शुरुआती दौर में एक मामले में 9 आरोपियों को दोषी ठहराया गया था। इस मामले में आरोप था कि ये लोग भीड़ का हिस्सा बनकर सांप्रदायिक तनाव के बीच संपत्तियों को नुकसान पहुंचा रहे थे। अदालत ने कहा था कि इनका उद्देश्य अधिकतम नुकसान करना था और सभी को जेल की सजा सुनाई गई। इसके अलावा एक अन्य मामले में दंगे के दौरान तोड़फोड़ और हिंसा में शामिल एक आरोपी को भी अदालत ने दोषी ठहराते हुए करीब पांच साल की सजा सुनाई थी। यह मामला दंगों में शुरुआती सजा के रूप में देखा गया, जिसमें भीड़ के साथ मिलकर हिंसा और नुकसान पहुंचाने का आरोप साबित हुआ। इन फैसलों के बावजूद हकीकत यह है कि दंगों से जुड़े अधिकांश मामले अब भी अदालतों में लंबित हैं।

स्पेन में सेना क्यों बुलानी पड़ी; इटली-फ्रांस में कैसी सख्ती, यूरोपीय देशों में क्या हो रहा

स्यूटा/फ्निदेक, एजेंसी। स्पेन के स्यूटा में बृहस्पतिवार को उस समय अभूतपूर्व संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई जब 24 घंटे के भीतर 84 हजार आबादी के शहर में करीब 60 हजार प्रवासी यहां घुस गए। मोरक्को से आए प्रवासियों की यह भीड़ यूरोपीय देशों में प्रवेश पाने के इरादे से यहां घुसी थी। अचानक भीड़ बढ़ने से हालात इस कदर बिगड़ गए स्पेन को सेना बुलानी पड़ी। इस दौरान कई जगहों पर झड़पों की खबर है। भगदड़ और बवाल में 34 लोगों की मौत की खबर है।

क्या हुआ स्यूटा में: प्रवासियों का हुजूम स्यूटा के पास एक पहाड़ी पर इकट्ठा देखा गया। इन्हें मोरक्को के बलों ने आंसू गैस के गोले दागकर तितर-बितर किया, जबकि अन्य लोग तैरकर स्पेन के इलाके में जाते रहे। स्पेन के गृह मंत्रालय ने बताया कि करीब 25,000 लोग वापस लौट चुके हैं। सामने आए वीडियो फुटेज में कई लोग समुद्र पार करते नजर आए। कई लोग स्पेन विवा एस्पाना (स्पेन जिंदाबाद) के नारे लगा रहे थे। मोरक्को के 33 साल के अहमद करीम ने कहा कि उन्होंने अपने देश में नौकरी न होने की वजह से स्यूटा में प्रवेश किया। बिगड़ते हालात के बीच स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज शुक्रवार को खुद हालात का जायजा लेने के लिए स्यूटा पहुंचे। सांचेज ने इसे क्षेत्रीय संप्रभुता का उल्लंघन करार दिया। सांचेज के आने पर भीड़ में उनकी अच्छी-खासी हूटिंग भी की। स्पेन में मोरक्को की राजदूत करीमा बेन्याइच ने उम्मीद जताई कि जो लोग मोरक्को से स्पेन के इस इलाके में गए हैं, वे वापस लौट आएंगे। उन्होंने कहा कि यह सब मोरक्को की मर्जी के खिलाफ हुआ है।

इटली और फ्रांस ने क्या कदम उठाए: ताजा घटना के बाद यूरोपीय देशों में गहरे मतभेद उभर आए हैं। इटली ने स्पेन के साथ अपने शेंगेन वीजा समझौते (बिना वीजा यात्रा नियम) को निलंबित कर दिया है।

यूक्रेन पर रूस का भीषण हमला: कीव पर बरसाई मिसाइलें और ड्रोन, तीन की मौत; जेलेंस्की ने यूएस से क्या मांगी मदद

कीव, एजेंसी। रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर शुक्रवार रात से शनिवार तड़के तक बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से बड़ा हमला किया। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, इस हमले में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं। कीव के मेयर विताली क्लिचको ने टेलीग्राम पर बताया कि सोलोमियांस्की जिले में पांच मंजिला एक रिहायशी इमारत मलबा गिरने से क्षतिग्रस्त हो गई। इमारत के भीतर कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका है। वहीं, इमारत के आंगन में आग भी लग गई। क्लिचको ने बताया कि शेवचेंकिव्स्की जिले की एक अन्य रिहायशी इमारत की पहली और दूसरी मंजिल का हिस्सा ढह गया। यहां भी लोगों के फंसे होने की सूचना है। उन्होंने बताया कि राजधानी के डारनित्स्की जिले में गोदामों में भी आग लग गई है।

एक हफ्ते में कितने लोगों की मौत: यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब दो दिन पहले ही रूस ने पूरे यूक्रेन में बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से बड़े पैमाने पर हमला किया था। उस हमले में 10 नागरिकों की मौत हो गई थी और 50 से अधिक लोग घायल हुए थे। वहीं, रूस की एक मिसाइल पोलैंड के हवाई क्षेत्र में भी प्रवेश कर गई थी।

अमेरिका से किन हथियारों की मांग कर रहे जेलेंस्की: यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की लगातार अमेरिका और अन्य पश्चिमी सहयोगी देशों से पैट्रियट एंटी-बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली की मांग कर रहे हैं, ताकि रूस के मिसाइल हमलों का प्रभावी जवाब दिया जा सके। शुक्रवार देर रात जेलेंस्की ने बताया कि उन्होंने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने इसी सप्ताह वॉशिंगटन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई अपनी बैठक पर भी चर्चा की। जेलेंस्की ने उस बैठक को 'सकारात्मक और उपयोगी' बताया। जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर लिखा, 'हमारे देश पर रूस के हवाई हमले लगातार जारी हैं।

भारत की नकल कर पाकिस्तान ने बनाई 'कॉकरोच पार्टी' किन मुद्दों पर लड़ेगा यह समूह, क्या है इसका प्लान

इस्लामाबाद, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के आंदोलन का असर अब पाकिस्तान में भी दिखने लगा है। भारत के युवाओं के आइडिया को चुराते हुए सोशल मीडिया पर 'कॉकरोच पार्टी पाकिस्तान' नाम से खाता बनाया गया है। यह सोशल मीडिया खाता भ्रष्टाचार, खराब शासन और आर्थिक संकट के मुद्दों को उठा रहा है।

क्या है इस समूह का एजेंडा: इस समूह का कहना है कि उसका एजेंडा आर्थिक और राजनीतिक स्थिरता, अच्छी शिक्षा, देश के ऊर्जा संकट को हल करना और पानी की कमी की समस्या दूर करना है। इंस्टाग्राम पर इस समूह के खाते पर 1.12 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। आंदोलन का नारा है - पाकिस्तान इसके लोगों का है, भ्रष्ट माफियाओं का नहीं। समूह खुद को युवाओं की ओर से चलाया जा रहा एक ऐसा अभियान बताता है, जो एकता और बदलाव की बात करता है। इंस्टाग्राम पर उपलब्ध जानकारी के

अनुसार, इस खाते को मई में बनाया गया था और इसे कनाडा से चलाया जा रहा है। इसी महीने इसे सत्यापित (वेरिफाइड) भी किया गया है।

क्या राजनीति में उतरने की तैयारी है: कॉकरोच पार्टी पाकिस्तान ने पार्टी के अलग-अलग पदों के लिए आवेदन भी मांगे हैं। इससे संकेत मिलता है कि यह समूह सिर्फ सोशल मीडिया तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि अपना संगठन खड़ा करने की कोशिश कर रहा है।

घोषणापत्र में समूह ने क्या कहा: हाल ही में जारी किए गए अपने घोषणापत्र में समूह ने कहा कि यह आम पाकिस्तानियों खासकर युवाओं की आवाज है। ये लोग भ्रष्टाचार, परिवारवाद वाली राजनीति और ऐसी व्यवस्था से परेशान हैं, जहां कुछ खास लोगों को ज्यादा लाभ मिलता है। समूह ने पारदर्शिता, जवाबदेही और लोकतांत्रिक सुधारों को बढ़ावा देने का वादा किया है। साथ ही रोजगार बढ़ाने, शिक्षा, शासन व्यवस्था में सुधार और पाकिस्तान के ऊर्जा संकट के समाधान को अपनी प्राथमिकता बताया है।

क्या राजनीतिक बदलाव ला पाएगा समूह: हालांकि, सोशल मीडिया पर इसकी बढ़ती लोकप्रियता के बावजूद इस आंदोलन के वास्तविक जनसमर्थन, संगठन की ताकत और ऑनलाइन समर्थन को एक बड़े राजनीतिक प्रभाव में बदलने की क्षमता पर सवाल बने हुए हैं।

पाकिस्तान में क्यों बढ़ रही ऐसी नाराजगी

ऐसे समूहों का सामने आना पाकिस्तान में लंबे समय से चली आ रही राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक संकट और शासन से जुड़ी परेशानियों के प्रति लोगों की नाराजगी को भी दिखाता है। पाकिस्तान की सैन्य-राजनीतिक व्यवस्था के आलोचकों का कहना है कि नागरिक मामलों में बार-बार सैन्य दखल से लोकतांत्रिक संस्थाएं और जवाबदेही कमजोर हुई है। आलोचकों ने सेना प्रमुख असीम मुनीर, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और व्यापक नागरिक-सैन्य व्यवस्था पर आरोप लगाया है कि वे महंगाई, बेरोजगारी, शासन की कमियों और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं निकाल पाए हैं। उनका कहना है कि इससे सत्ता कुछ मजबूत राजनीतिक और संस्थागत समूहों के हाथों में बनी हुई है। इस समूह के सामने आने के बाद पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार के हाथ-पांव फूल गए हैं। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी का एक बयान वायरल हो रहा है, जिसमें वह कहते सुनाई दे रहे हैं- अब एक नौजवान को आप कुछ भी कह सकते हैं, सिर्फ एक नौजवान या फिर कॉकरोच या फिर कुछ और। लेकिन सच्चाई यह है कि अगर ये कॉकरोच एकजुट हो गए तो ये सबकुछ उलट-पुलट कर देंगे। नवकी ने पाकिस्तान आर्थिक सम्मेलन में कहा, हम वर्तमान में जिस व्यवस्था में रह रहे हैं, वो पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। अब इस व्यवस्था में रहते हुए समाधान की उम्मीद नहीं की जा सकती है। अब जब तक बड़े सुधार नहीं होंगे, पाकिस्तान उन्हीं मुद्दों पर चर्चा करता रह जाएगा, जिस पर वो एक दशक पहले भी चर्चा करता था। उन्होंने आगे कहा, पाकिस्तान के लोग भी ऐसी न्याय व्यवस्था चाहते हैं, जहां उन्हें समान अवसर मिले, जहां उनकी मेहनत का सम्मान हो। नकवी के मुताबिक, पाकिस्तान को अब ऐसी व्यवस्था चाहिए, जहां पर स्थानीय सरकारों को ज्यादा ताकत दी जाए।

सफल उद्यमों से प्रेरित होंगे युवा, जिले की औद्योगिक इकाइयों को मिलेगा विस्तार

कलेक्टर ने सफल औद्योगिक इकाइयों का किया निरीक्षण, आईटीआई एवं पॉलीटेक्निक विद्यार्थियों के लिए एक्सपोजर विजिट कराने के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में स्थानीय उद्यमिता को प्रोत्साहन देने तथा युवाओं को स्वरोजगार के प्रति प्रेरित करने की दिशा में कलेक्टर विकास मिश्रा ने शनिवार को जिले की विभिन्न सफल औद्योगिक इकाइयों का भ्रमण कर उनकी उत्पादन व्यवस्था, तकनीकी प्रक्रियाओं, गुणवत्ता नियंत्रण, विपणन व्यवस्था एवं रोजगार सृजन की गतिविधियों का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उद्यमियों से विस्तार से चर्चा करते हुए उनकी उपलब्धियों, चुनौतियों एवं भविष्य की योजनाओं की जानकारी प्राप्त की तथा प्रशासन की ओर से हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया कलेक्टर ने सर्वप्रथम मेसर्स अक्षत एसोसिएट्स ग्राम डैनिहा का निरीक्षण किया इस इकाई की संचालिका संजू शुक्ला द्वारा नमकीन एवं चिप्स का निर्माण किया जा रहा है। यह इकाई प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम एवं प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (च्डथ्ड्म्) के अंतर्गत लाभान्वित होकर स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने के साथ गुणवत्तापूर्ण खाद्य उत्पाद तैयार कर रही है इसके पश्चात कलेक्टर ने मेसर्स विजेता स्टील, ग्राम जमोड़ी का निरीक्षण किया इकाई के संचालक गुलाम कौदिर द्वारा स्टील फर्नीचर एवं फैब्रिकेशन का कार्य किया जा रहा है कलेक्टर ने उत्पादन प्रक्रिया का अवलोकन करते हुए उत्पादों की गुणवत्ता एवं बाजार विस्तार के संबंध में आवश्यक सुझाव दिए इसके बाद कलेक्टर ने मेसर्स भास्कर एसोसिएट्स, ग्राम पनवार बघेलान का निरीक्षण किया। इस इकाई का संचालन संतकुमार सिंह एवं अजय कुमार सिंह द्वारा किया जा रहा है, जहां प्रीकास्ट बाउंड्री वॉल का निर्माण किया जाता है यह इकाई डैडम् प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत लाभान्वित होकर आधुनिक तकनीक से निर्माण कार्य कर रही है तथा स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी उपलब्ध करा रही है भ्रमण के दौरान कलेक्टर मेसर्स विजय आयल मिल, ग्राम पनवार भी पहुंचे, जहां संचालक ब्रम्हानंद शुक्ला द्वारा तेल उत्पादन का कार्य किया जा रहा है यह इकाई प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (च्डम्ळच्) के अंतर्गत स्थापित की गई है और स्थानीय कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन का महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत कर रही है निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कहा कि जिले में ऐसे सफल उद्यम स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के साथ-साथ स्वरोजगार एवं रोजगार सृजन का सशक्त माध्यम हैं उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन इकाइयों को आवश्यकतानुसार तकनीकी मार्गदर्शन वित्तीय सहायता, विपणन सहयोग एवं अन्य शासकीय सुविधाएं उपलब्ध कराते हुए इनके कार्यों का और विस्तार कराया जाए ताकि ये भविष्य में बड़े औद्योगिक मॉडल के रूप में विकसित हो सकें कलेक्टर ने जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र तथा संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि जिले की इन सफल इकाइयों को मॉडल इंडस्ट्रियल यूनिट के रूप में विकसित किया जाए तथा इनके अनुभवों का लाभ अधिक से अधिक युवाओं तक पहुंचाया जाए उन्होंने विशेष रूप से जिले के आईटीआई एवं पॉलीटेक्निक कॉलेजों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए इन इकाइयों का नियमित एक्सपोजर विजिट आयोजित करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ सफल औद्योगिक इकाइयों की कार्यप्रणाली का प्रत्यक्ष अनुभव मिलेगा, जिससे उनमें उद्यमिता नवाचार एवं स्वरोजगार के प्रति रुचि विकसित होगी और वे भविष्य में स्वयं भी रोजगार देने वाले उद्यमी बनने के लिए प्रेरित होंगे कलेक्टर ने कहा कि शासन की विभिन्न स्वरोजगार एवं औद्योगिक प्रोत्साहन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर जिले में नए उद्यमों की स्थापना को बढ़ावा दिया जाएगा। स्थानीय संसाधनों एवं युवाओं की प्रतिभा का बेहतर उपयोग करते हुए सीधी को औद्योगिक एवं उद्यमिता के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने के लिए जिला प्रशासन निरंतर प्रयासरत रहेगा भ्रमण के दौरान महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग अभिलाष मरावी एवं संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

चलती बाइक में घुसा सांप, चालक ने कूदकर बचाई जान

सीधी के बहरी बाजार में मची अफरा-तफरी, रेस्क्यू कर सुरक्षित निकाला गया सांप

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के बहरी मुख्य बाजार में शनिवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब एक चलती बाइक में अचानक सांप घुस गया। बाइक चला रहे तुलसीदास मिश्रा उर्फ नथुनी मिश्रा ने खतरे को भांपते हुए सूझबूझ दिखाई और तुरंत चलती बाइक से छलांग लगाकर अपनी जान बचाई। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई जानकारी के अनुसार घटना शनिवार दोपहर करीब 12 बजे की है। प्रत्यक्षदर्शी रमेश बंसल ने बताया कि बाइक चलाते समय चालक की नजर अचानक बाइक में मौजूद सांप पर पड़ी। सांप को देखते ही वह घबरा गए, लेकिन उन्होंने बिना देर किए बाइक छोड़कर सुरक्षित स्थान पर छलांग लगा दी। इससे एक बड़ा हादसा टल गया घटना की जानकारी मिलते ही मुख्य बाजार में लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने सावधानीपूर्वक बाइक की जांच शुरू की। काफी प्रयासों के बाद सांप को बाइक के अंदर से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। सांप निकलने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली। राहत की बात यह रही कि इस पूरी घटना में बाइक चालक सहित किसी भी व्यक्ति को कोई चोट नहीं आई वन विभाग के वनपाल पंकज मिश्रा ने बताया कि बारिश के मौसम में इस तरह की घटनाएं बढ़ जाती हैं। बरसात के दौरान सांप अक्सर सुरक्षित और सूखे स्थान की तलाश में घरों, वाहनों और अन्य जगहों में पहुंच जाते हैं उन्होंने लोगों से अपील की है कि वाहन या घर में सांप दिखाई देने पर घबराएं नहीं और उससे दूरी बनाए रखें। बिना किसी प्रशिक्षण के सांप पकड़ने का प्रयास नहीं करना चाहिए, क्योंकि यह खतरनाक हो सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में तुरंत वन विभाग या प्रशिक्षित सर्प रेस्क्यू टीम को सूचना देकर सहायता लेनी चाहिए बहरी बाजार की इस घटना ने एक बार फिर बरसात के मौसम में सतर्कता बरतने की जरूरत को सामने ला दिया है।

माइनर नहर नहीं खुलने से किसान परेशान, दिलीप सिंह ने प्रशासन से की सिंचाई जल उपलब्ध कराने की मांग

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिलीप सिंह ने बरिगवां सिंचाई परियोजना की माइनर नहर का संचालन शुरू नहीं होने पर किसानों की समस्याओं को लेकर जिला प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है उन्होंने कहा कि नहर बंद होने से टीकर से भटलो तक के हजारों किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है जिससे खेती प्रभावित हो रही है जारी प्रेस विज्ञप्ति में दिलीप सिंह ने बताया कि बरिगवां सिंचाई परियोजना के तहत टीकर, चुआं, बरिगवां, डिहिया, बम्हनगवां, छिरेहटा, नीगा, भटलो सहित आसपास के गांवों तक माइनर नहर के माध्यम से सिंचाई जल पहुंचाने की योजना बनाई गई थी। उनका कहना है कि यदि नहर का नियमित संचालन किया जाए तो गुढ़ विधानसभा क्षेत्र के हजारों किसान इसका लाभ उठा सकते हैं और कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी उन्होंने आरोप लगाया कि बाणसागर परियोजना के अधिकारियों की उदासीनता के कारण अब तक किसानों के खेतों तक पानी नहीं पहुंच सका है क्षेत्रीय किसानों और जनप्रतिनिधियों द्वारा कई बार अधिकारियों से संपर्क करने के बावजूद केवल औपचारिक जवाब दिए जा रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि माइनर नहर खोलने के लिए शासन से निर्देश प्राप्त नहीं हुए हैं दिलीप सिंह ने जिला कलेक्टर से मांग की है कि किसानों के हित को प्राथमिकता देते हुए बरिगवां सिंचाई परियोजना की माइनर नहर तत्काल शुरू कराई जाए ताकि किसान समय पर सिंचाई और खेती का कार्य कर सकें।

सिहावल में फर्जी क्लिनिक पर स्वास्थ्य विभाग की छापेमार कार्रवाई, बंगाली डॉक्टर फरार

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के सिहावल जनपद पंचायत क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग ने बिना वैध अनुमति संचालित एक कथित फर्जी क्लिनिक पर छापेमार कार्रवाई कर बड़ी मात्रा में दवाइयां, इंजेक्शन और मेडिकल उपकरण जब्त किए हैं कार्रवाई के दौरान क्लिनिक संचालक, जिसे स्थानीय लोग बंगाली डॉक्टर के नाम से जानते हैं, अपना परिचय दिए बिना मौके से फरार हो गया। मामले की जांच के बाद विभाग ने कानूनी कार्रवाई की बात कही है स्वास्थ्य विभाग की यह कार्रवाई शनिवार शाम करीब 4 बजे ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर (बीएमओ) डॉ. रिकेश शर्मा के नेतृत्व में ग्राम पंचायत बमुरी के रामपुर गांव में की गई। जांच के दौरान टीम ने क्लिनिक का निरीक्षण किया, जहां इलाज में उपयोग होने वाली दवाइयां, इंजेक्शन, मेडिकल उपकरण और अन्य सामग्री मिली। विभाग ने सभी सामान को जब्त कर लिया और जांच के लिए सुरक्षित रखा है प्राथमिक जांच में सामने आया कि संबंधित व्यक्ति बिना मान्य चिकित्सकीय डिग्री और आवश्यक वैधानिक अनुमति के क्लिनिक संचालित कर रहा था। स्वास्थ्य विभाग ने उससे डॉक्टरी की डिग्री, पंजीकरण प्रमाणपत्र और क्लिनिक संचालन से जुड़े आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं अधिकारियों का कहना है कि दस्तावेजों की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी बीएमओ डॉ. रिकेश शर्मा ने बताया कि बिना वैध डिग्री और अनुमति के चिकित्सा कार्य करना कानूनन अपराध है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी क्योंकि यह सीधे लोगों के स्वास्थ्य और जीवन से जुड़ा विषय है उन्होंने बताया कि संबंधित क्लिनिक पर आसपास के लगभग पांच गांवों के 6,400 से अधिक लोग इलाज के लिए आते थे, इसलिए मामले को गंभीरता से लिया गया है स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि जांच पूरी होने के बाद संबंधित व्यक्ति के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही जिले में बिना अनुमति संचालित क्लिनिकों और झोलाछाप डॉक्टरों के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रहेगा इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में अवैध रूप से क्लिनिक संचालित करने वालों में हड़कंप की स्थिति है।

अवैध गिट्टी परिवहन पर कार्रवाई, चार वाहन जब्त

खनिज विभाग की बड़ी कार्रवाई, बिना दस्तावेज मिले दो ट्रेलर और दो डंपर

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले में अवैध खनिज उत्खनन और परिवहन के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। कलेक्टर संजय कुमार जैन के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत खनिज विभाग की टीम ने शुक्रवार शाम अवैध रूप से गिट्टी का परिवहन कर रहे चार वाहनों को जब्त किया है खनिज विभाग की टीम ने हनुमना क्षेत्र में जांच अभियान चलाया। इस दौरान दो ट्रेलर और दो डंपर को रोककर दस्तावेजों की जांच की गई। जांच में वाहन चालकों के पास गिट्टी परिवहन से संबंधित वैध अनुमति और आवश्यक दस्तावेज नहीं पाए गए। इसके बाद विभागीय टीम ने चारों वाहनों को जब्त कर लिया कार्रवाई के बाद सभी जब्त वाहनों को सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस थाना हनुमना और पुलिस चौकी पिपराही की सुपुर्दगी में खड़ा कराया गया है। खनिज विभाग ने वाहन मालिकों और चालकों के विरुद्ध खनिज नियमों के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है प्रशासन ने बताया कि जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा और यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

समय पर पुनर्वास सेवाओं से बदली नन्हे रित्विक की जिंदगी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र सीधी विशेष आवश्यकता वाले बच्चों एवं दिव्यांगजनों को गुणवत्तापूर्ण पुनर्वास सेवाएं उपलब्ध कराकर उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रहा है। कलेक्टर विकास मिश्रा के सतत मार्गदर्शन एवं उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग धनंजय मिश्रा के निर्देशन में केंद्र द्वारा अनेक बच्चों को नई उम्मीद और आत्मविश्वास प्रदान किया जा रहा है ग्राम नौढ़िया निवासी दो वर्षीय रित्विक साहू इसका प्रेरणादायक उदाहरण है रित्विक साहू विकास में विलंब (क्मसंलमक क्मअमसवचउमदज) की समस्या से जूझ रहा था उसकी आयु के अनुरूप शारीरिक एवं मोटर विकास नहीं हो पा रहा था उसे संतुलन बनाने खड़े होने चलने तथा सामान्य गतिविधियां करने में कठिनाई होती थी इस कारण उसके माता-पिता बच्चे के भविष्य को लेकर चिंतित और निराश रहने लगे थे रित्विक को जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र, सीधी लाया गया, जहां वरिष्ठ फिजियोथेरपिस्ट डॉ. दीपक त्रिपाठी ने उसका विस्तृत परीक्षण किया। परीक्षण के आधार पर उसके लिए व्यक्तिगत एवं वैज्ञानिक फिजियोथेरपी उपचार योजना तैयार की गई। अगले तीन माह तक नियमित रूप से न्यूरो-डेवलपमेंटल थेरेपी, बैलेंस ट्रेनिंग, वेट-बियरिंग एक्सरसाइज, गैट ट्रेनिंग, मसल स्ट्रेंथनिंग तथा फंक्शनल एक्टिविटी ट्रेनिंग कराई गई। साथ ही उसके अभिभावकों को घर पर नियमित व्यायाम कराने का प्रशिक्षण दिया गया तथा उपचार की निरंतर मॉनिटरिंग और फॉलो-अप किया गया लगातार उपचार, विशेषज्ञ मार्गदर्शन और परिवार के सहयोग का सकारात्मक परिणाम सामने आया। रित्विक की शारीरिक एवं मोटर क्षमताओं में उल्लेखनीय सुधार हुआ। अब वह पहले की अपेक्षा बेहतर संतुलन बना पा रहा है, सहारे से खड़ा होने और चलने का सफल प्रयास कर रहा है तथा दैनिक गतिविधियों में अधिक सक्रिय और आत्मविश्वास से भाग लेने लगा है। उसकी निरंतर प्रगति ने परिवार के चेहरे पर मुस्कान लौटाई है और भविष्य के प्रति नई आशा एवं विश्वास का संचार किया है रित्विक की यह सफलता इस बात का सशक्त प्रमाण है कि यदि विकास में विलंब वाले बच्चों की समय पर पहचान कर उन्हें विशेषज्ञ पुनर्वास सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा परिवार उपचार प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाए, तो उनके जीवन में उल्लेखनीय सकारात्मक परिवर्तन संभव है जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र, सीधी ऐसे सभी जरूरतमंद बच्चों तक गुणवत्तापूर्ण पुनर्वास सेवाएं पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

कांग्रेस के सह-प्रभारी रणविजय सिंह लोचव आज रीवा दौरे पर, संगठन सृजन अभियान की करेंगे समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं मध्यप्रदेश कांग्रेस के सह-प्रभारी रणविजय सिंह लोचव रविवार 2 अगस्त को एक दिवसीय प्रवास पर रीवा आएंगे अपने दौरे के दौरान वे जिले में संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करेंगे तथा संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत ब्लॉक, वार्ड, पंचायत, मंडलम समितियों एवं बी.एल.ए.-2 के गठन और सत्यापन कार्य की प्रगति का जायजा लेंगे निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार लोचव दोपहर 2 बजे रीवा पहुंचेंगे। इसके बाद दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के पदाधिकारियों के साथ क्रमवार बैठकें आयोजित की जाएंगी पहले चरण में त्योंथर, सिरमौर मनगवां और गुढ़ विधानसभा क्षेत्रों की समीक्षा बैठक होगी। इसमें संबंधित जिलाध्यक्ष, जिला प्रभारी संगठन महासचिव, विधानसभा प्रभारी, ब्लॉक प्रभारी, ब्लॉक अध्यक्ष तथा नगर अध्यक्ष शामिल होंगे इसके बाद सेमरिया विधानसभा क्षेत्र की बैठक आयोजित होगी जिसमें संबंधित संगठन पदाधिकारी और कार्यकर्ता भाग लेंगे वहीं रीवा विधानसभा की अलग बैठक में शहर अध्यक्ष, शहर संगठन महासचिव, विधानसभा प्रभारी, शहर ब्लॉक अध्यक्षों सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे इन बैठकों में संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान, समितियों के गठन तथा आगामी राजनीतिक गतिविधियों पर चर्चा की जाएगी शाम 4 बजे से 5 बजे तक नगर निगम पार्षदों के साथ विशेष बैठक होगी, जिसमें जनहित के मुद्दों और संगठन की भूमिका पर विचार-विमर्श किया जाएगा इसके बाद शाम 5 बजे से 7 बजे तक वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के साथ संगठन को अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की जाएगी जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) के अध्यक्ष इंजीनियर राजेंद्र शर्मा एवं शहर कांग्रेस अध्यक्ष अशोक पटेल झब्बू ने सभी ब्लॉक और नगर अध्यक्षों से निर्धारित समय पर जिला कांग्रेस कार्यालय, इलाहाबाद रोड, उर्रहट (विशाल मेगामार्ट के समीप) पहुंचने का आग्रह किया है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि सभी पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र की ब्लॉक, वार्ड, पंचायत, मंडलम समितियों तथा बी.एल.ए.-2 के गठन एवं सत्यापन से संबंधित अद्यतन दस्तावेज साथ लेकर आएं, ताकि समीक्षा और सत्यापन की प्रक्रिया समयबद्ध रूप से पूरी की जा सके।

जिला जनगणना हस्तपुस्तिका संबंधी बैठक 03 अगस्त को

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। डिप्टी कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि जनगणना कार्य निदेशालय भोपाल के निर्देशानुसार जिला स्तर पर जिला जनगणना समन्वय समिति का गठन किया जा चुका है जनगणना-2027 के अंतर्गत जिला जनगणना हस्तपुस्तिका तैयार करने का कार्य 01 अगस्त से 31 अगस्त 2026 तक संपादित किया जाना है इस कार्य के सफल संचालन एवं सतत् पर्यवेक्षण के लिए कलेक्टर की अध्यक्षता में 03 अगस्त 2026 को समय-सीमा (टीएल) बैठक के उपरांत जिला पंचायत सभागार में बैठक आयोजित की गई है।

विश्व स्कार्फ दिवस पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को पहनाया गया स्काउट स्कार्फ सेवा, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण के संदेश के साथ स्काउट-गाइड दल ने किया सम्मान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विश्व स्कार्फ दिवस के अवसर पर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ सीधी द्वारा जिले में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया इस दौरान सांसद डॉ. राजेश मिश्र, कलेक्टर विकास मिश्रा सहित जिले के जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों को स्काउट स्कार्फ पहनाकर सम्मानित किया गया कार्यक्रम का उद्देश्य स्काउट एवं गाइड आंदोलन के सेवा, अनुशासन, नेतृत्व, भाईचारे और राष्ट्र निर्माण के मूल्यों को समाज तक पहुंचाना रहा कार्यक्रम का आयोजन भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ सीधी के जिला मुख्य आयुक्त डॉ. अजय मिश्र एवं जिला सचिव हरिशंकर पाण्डेय के नेतृत्व और मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1 के स्काउट एवं गाइड दल के सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई कार्यक्रम के दौरान स्काउट एवं गाइड दल के सदस्य प्रेरणा सिंह, मनीषा साहू, अंश सिंह एवं अरमान शुक्ला ने अतिथियों को स्काउट स्कार्फ पहनाकर सम्मानित किया उन्होंने स्काउट आंदोलन के उद्देश्यों और गतिविधियों की जानकारी देते हुए युवाओं से सेवा कार्यों, सामाजिक जिम्मेदारियों और राष्ट्र निर्माण के कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया इस अवसर पर बताया गया कि विश्व स्कार्फ दिवस प्रत्येक वर्ष स्काउट एवं गाइड आंदोलन से जुड़े सेवा भाव और मूल्यों को याद करने तथा लोगों को इसके उद्देश्यों से जोड़ने के लिए मनाया जाता है स्कार्फ स्काउट आंदोलन की पहचान के साथ-साथ सेवा, समर्पण, अनुशासन और जिम्मेदारी का प्रतीक माना जाता है भारत स्काउट्स एवं गाइड्स का उद्देश्य बच्चों और युवाओं में चरित्र निर्माण नेतृत्व क्षमता, आत्मनिर्भरता तथा समाज सेवा की भावना विकसित करना है। इसके माध्यम से युवाओं को आपदा प्रबंधन, सामाजिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता और सामुदायिक सहयोग जैसे कार्यों के लिए प्रेरित किया जाता है कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने स्काउट एवं गाइड आंदोलन की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं में सेवा और अनुशासन की भावना विकसित करने में इस संगठन की महत्वपूर्ण भूमिका है उन्होंने स्काउट-गाइड के सदस्यों को समाजहित के कार्यों में निरंतर सक्रिय रहने के लिए प्रेरित किया विश्व स्कार्फ दिवस के इस आयोजन के माध्यम से जिले में सेवा, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश दिया गया। कार्यक्रम ने युवाओं को समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने तथा सकारात्मक कार्यों में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

दो अगस्त को नेबूहा में आयोजित होगा अंत्योदय स्वास्थ्य शिविर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जनपद पंचायत मझौली की ग्राम पंचायत नेबूहा में 02 अगस्त 2026 को वृहद पौधारोपण एवं जनकल्याण कार्यक्रम के अवसर पर अंत्योदय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा शिविर का शुभारंभ प्रातः 8 बजे से होगा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी ने बताया कि शिविर में आमजन के स्वास्थ्य परीक्षण के साथ विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड भी बनाए जाएंगे इसके अतिरिक्त पशुपालन विभाग द्वारा पशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक उपचार एवं परामर्श सेवाएं भी प्रदान की जाएंगी उन्होंने बताया कि शिविर का संचालन महिला एवं बाल विकास विभाग स्वास्थ्य विभाग सामाजिक न्याय विभाग आयुष विभाग तथा पशुपालन विभाग के संयुक्त सहयोग से किया जाएगा। शिविर के सफल संचालन हेतु संबंधित सीडीपीओ एवं बीएमओ को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि ग्राम पंचायत स्तर पर मुनादी एवं अन्य प्रचार-प्रसार माध्यमों के जरिए शिविर की व्यापक जानकारी आमजन तक पहुंचाई जाए तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी कार्यक्रम से अवगत कराया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें उन्होंने आमजन से अपील की है कि स्वास्थ्य परीक्षण एवं आयुष्मान कार्ड निर्माण की सुविधा का लाभ लेने के लिए शिविर में आधार कार्ड एवं समग्र आईडी अनिवार्य रूप से साथ लेकर आएं।

चढ़ावा चोरी पर तमाशा

संपादकीय

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले की ओर ध्यान आकृष्ट करने के लिए गत दिवस संसद परिसर में जो कुछ किया गया, वह केवल विपक्षी दलों की सतही-सस्ती राजनीति का परिचायक ही नहीं, बल्कि संत समाज और साथ ही हिंदुओं की भावनाओं को आहत करने वाला भी है।

जो हिंदू समाज चढ़ावा चोरी के मामले से पहले ही आहत है, उसे और उद्वेलित करने वाले ये वही लोग हैं, जिन्होंने राम मंदिर बनने का कभी स्वागत नहीं किया। कुछ ने तो उसके उद्घाटन में आमंत्रण को अस्वीकार करने का भी काम किया और इसे उचित भी ठहराया।

अब वे ऐसा दिखा रहे हैं कि चढ़ावा चोरी की घटना से सबसे अधिक दुखी वही हैं। इसके लिए उन्होंने जो स्वांग किया, वह एक तरह से भगवा भेष धारण करने वालों को अपमानित करने वाला ही है। यह ध्यान रहे कि चढ़ावा चोरी में किसी संत का नाम नहीं आया है।

दान हड़पने के मामले में जो लोग गिरफ्तार किए गए हैं और जिन पर अपनी जिम्मेदारी का सही तरीके से निर्वाह न करने के आरोप लगे हैं, उनमें से कोई भी साधु नहीं है। इसके बाद भी संसद परिसर में सांसद पप्पू यादव साधु भेष में दान मांगते दिखे। उन्हें दान देने का नाटक राहुल गांधी समेत अन्य अनेक सांसदों ने किया। इनमें मुख्यत: सपा सांसदों की भागीदारी रही। इसके बाद पप्पू यादव दान पात्र लेकर भागते दिखे।

एक गंभीर मामले को फूहड़ तरीके से उठाना यही दिखाता है कि राम मंदिर में चढ़ावा चोरी पर विपक्ष का एकमात्र उद्देश्य तंज कसना और तमाशा खड़ा करना है। इस कोशिश में वह यह देखने को भी तैयार नहीं कि आखिर संत समाज और भगवा को अपमानित करके उसे क्या हासिल होने वाला है? ऐसा काम वही कर सकता है, जो चढ़ावा चोरी के मामले से सही तरह परिचित न हो या फिर जिसका उद्देश्य नारेबाजी की राजनीति करना अथवा संत समाज को अपमानित करना हो।

इससे बड़ी विडंबना और कोई नहीं कि साधु बनने का स्वांग उन पप्पू यादव ने रचा, जो केवल दागी छवि वाले सांसद ही नहीं हैं, बल्कि उन पर हत्या के प्रयास, अवैध कब्जे करने, रंगदारी मांगने समेत करीब 40 मामले दर्ज हैं। इन मामलों का उल्लेख स्वयं उन्होंने पिछले लोकसभा चुनाव में अपने शपथपत्र में किया था। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले में विपक्ष ने केंद्र सरकार और विशेष रूप से गृहमंत्री अमित शाह को भी कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की। आखिर उनका इस मामले से क्या लेना-देना? क्या वे देश में हर कहीं चोरी-गबन के लिए जिम्मेदार होंगे? स्पष्ट है कि विपक्ष चढ़ावा चोरी प्रकरण का इस्तेमाल केवल राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए कर रहा है। इसमें कोई रोक नहीं, लेकिन किसी मुद्दे को भोंडे ढंग से उठाना ऐसा करने वाले की नीयत पर सवाल उठाता है।

सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में आर पार की लड़ाई

सनत जैन

सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में जिस तरह की रास्सा-कस्सी देखने को मिल रही है, उससे स्पष्ट है, विपक्ष पूरी तरह से आक्रामक तेवर में है। जंतर मंतर में हुए कॉकरोच आंदोलन के बाद देश भर के युवाओं में जो गुस्सा देखा गया, देश में सेकड़ों स्थान पर प्रदर्शन हुए। उसने विपक्ष को एक नई ताकत दे दी है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इस मौके को आपदा में अवसर के तौर पर देख रहे हैं। जिस तरह से सरकार के खिलाफ जेन-जी और जेन-अल्फा अपने परिवार से विद्रोह करके सड़कों पर आंदोलन करने के लिए उतरा, तरह-तरह से बिना डरे हुए उसने मुखरता के साथ अपनी बात कही। युवाओं के इस आंदोलन को देखकर देश में जो डर और भय का माहौल बना था, ऐसा लगता है कि वह डर और भय खत्म हो गया है। छात्रों के साथ-साथ अब अन्य संगठन भी अपनी मांग को लेकर सड़कों पर उतर रहे हैं। उनके भी वैसे ही आक्रामक तेवर हैं, जैसे जंतर मंतर में या छात्र आंदोलन के दौरान देखने को मिले थे। इसने सरकार की परेशानी बढ़ा दी है। हाल ही में मध्य प्रदेश के किसान संगठनों ने भोपाल तक मूंग खरीदी को लेकर कूच किया। उन्होंने पुलिस के सारे बैरियर पार करते हुए मुख्यमंत्री निवास के करीब 2 किलोमीटर दूर तक पहुंच गए। जबकि सरकार ने कई किलोमीटर पहले से ही बेरीकैट लगाकर किसानों को रोकने का बड़े पैमाने पर इंतजाम किया था। किसानों ने इसकी जरा भी परवाह नहीं की। मध्य प्रदेश सरकार ने कोई बल प्रयोग नहीं किया। पुलिस अधिकारियों ने भी किसानों को रोकने के लिए जिस तरह से मुंबई की एक जेन-जी लड़की पुलिस वाहन के सामने आकर खड़ी हो गई थी ठीक वैसे ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी किसानो की बस के सामने आकर खड़ी हो गई, जिसके कारण किसानों को रुकना पड़ा।

संसद के मानसून सत्र का दूसरा साप्ताह खत्म हो गया है। सरकार ने पेपर लीक को रोकने के लिए संसद में जो बिल पेश किया था, वह पास हो गया है। इस बीच संसद के दोनों सदनों में, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सरकार को घेरने का कोई मौका नहीं छोड़ा। राहुल गांधी और विपक्ष ने अब अपना निशाना गृहमंत्री की ओर कर लिया है। अब इस्तीफा और माफी को लेकर विपक्ष अड़ गया है, जिसके कारण संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही नहीं चल पा रही है। प्रधानमंत्री और गृहमंत्री संसद की कार्रवाई में नहीं पहुंचे हैं। इसको लेकर विपक्ष और आक्रामक हो गया है। संसद परिसर में जिस तरह विपक्षी दल एकत्रित होकर सरकार को कटघरे में खड़ा कर रहे हैं, पेलेट गन और एक-47 का मुद्दा दिल्ली की कानून व्यवस्था सीधे गृह मंत्रालय के अधीन होने के कारण विपक्ष ने बुरी तरह से सरकार को घेर लिया है। जंतर मंतर में जो प्रदर्शन हो रहा था, इसका लाइव प्रसारण होने से पुलिस और सरकार की परेशानी बढ़ रही है। सरकार को जवाब देना मुश्किल पड़ रहा है यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि जो बिसात विपक्ष बिछा रहा है उसी पर सफाई देने के लिए सरकार को आगे आना पड़ रहा है।

पुलिस के परिवारजनों को मीडिया के सामने उतारा गया है। वही प्रदर्शनकारियों और विपक्ष के नेताओं का कहना है प्रदर्शन पूर्णतया शांतिपूर्ण था। पुलिस ने साजिश रची थी। इस साजिश का खुलासा भी हो चुका है। ऐसे हजारों वीडियो सोशल मीडिया में है, जो पुलिस की कलई को खोल रहे हैं। सरकार आंदोलन को बदनाम करने के लिए और पुलिस के संरक्षण में जो आसमाधिक तत्व वहां लाये गए थे, वह सब सोशल मीडिया में पुलिस के साजिश की कलई खोल रहे हैं। सरकार को समझ नहीं आ रहा है छात्रों के इस प्रदर्शन और पुलिस का सरकार किस तरह से बचाव करे। राजनीतिक दलों के नेताओं, उनके सांसदों, विधायकों और उनके आंदोलन से निपटना सरकार के लिए आसान होता था। पहली बार सरकार को छात्रों के इस आंदोलन से डर लग रहा है। उसे निकालने का मौका नहीं मिल रहा है। सरकार ने संसद के अंदर और संसद के बाहर विपक्षी दलों के ऊपर बहुत दबाव बनाया, लेकिन विपक्ष अब किसी दबाव में आता हुआ दिख नहीं रहा है। आसंदी ने राहुल गांधी से माफी मांगने की शर्त रखकर उन्हें बोलने नहीं दिया।

कांगड़ा घाटी रेलवे : उपेक्षा नहीं, पुनर्जीवन जरूरी

नीलम सूद

पूरे देश में जहां ऐसी समस्या आती है वहां रेलवे ओवरब्रिज और रेलवे अंडरब्रिज का निर्माण किया जाता है। यही व्यावहारिक और स्थायी समाधान है... किसी भी राष्ट्र की प्रगति का आकलन केवल इस आधार पर नहीं किया जाता कि उसने कितनी नई सडक़ें, पुल, हवाई अड्डे या आधुनिक परियोजनाएं बनाई हैं। किसी देश की वास्तविक पहचान इस बात से भी तय होती है कि वह अपनी ऐतिहासिक धरोहरों, सांस्कृतिक विरासत और जनहित से जुड़ी संस्थाओं का संरक्षण किस प्रकार करता है। विकास का अर्थ केवल नया निर्माण नहीं, बल्कि उस विरासत को भी सुरक्षित रखना है जिसने दशकों तक समाज की सेवा की हो। इसी कसौटी पर यदि हिमाचल प्रदेश की ऐतिहासिक पठानकोट-जोगिंद्रनगर नैरो गेज कांगड़ा घाटी रेलवे को देखा जाए तो यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि लगभग एक शताब्दी पुरानी यह अमूल्य धरोहर आज उपेक्षा, अनिश्चितता और संसाधनों की कमी के दौर से गुजर रही है। सन् 1929 में आरंभ हुई यह रेल लाइन केवल लोहे की पटरियों पर दौड़ती एक ट्रेन नहीं है, बल्कि हिमाचल प्रदेश, विशेषकर कांगड़ा घाटी की सांस्कृतिक पहचान का अभिन्न हिस्सा है। पिछले लगभग सौ वर्षों से इस रेलमार्ग ने लाखों लोगों के जीवन को सरल बनाया है। विद्यार्थी शिक्षा के लिए, कर्मचारी अपने कार्यस्थलों तक पहुंचने के लिए, छोटे व्यापारी अपने व्यापार के लिए, किसान कृषि उत्पादों के परिवहन के लिए, सैनिक परिवार आवागमन के लिए तथा देश-विदेश से आने वाले पर्यटक प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने के लिए इस रेल सेवा का उपयोग करते रहे हैं। अनेक लोगों के लिए यह केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव और स्मृतियों का हिस्सा भी है। यह रेलमार्ग हिमालय की गोद में बसे छोटे-छोटे कस्बों और गांवों को जोड़ते हुए धौलाधार पर्वतमाला, चाय बागानों, नदियों, घाटियों और सुरंगों के बीच से गुजरता है। इसकी प्राकृतिक सुंदरता इसे देश के सबसे मनोहारी रेलमार्गों में स्थान दिलाती है। यदि इसे उचित रूप से विकसित किया जाए तो यह विश्वस्तरीय पर्यटन आकर्षण बन सकता है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि प्रत्येक वर्ष बरसात के मौसम में भूस्खलन, चट्टानों और मलबे के ट्रैक पर आने, नालों के उफान तथा कई पुराने पुलों की जर्जर स्थिति के कारण रेल सेवाएं बार-बार बाधित हो जाती हैं।

कई बार सप्ताहों तक रेल संचालन बंद रहता है। इससे सबसे अधिक परेशानी आम यात्रियों को होती है, जिन्हें मजबूर होकर महंगे और सीमित सडक़ परिवहन का सहारा लेना पड़ता है। इससे स्थानीय व्यापार, पर्यटन और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था भी प्रभावित होती है। विचारणीय प्रश्न यह है कि जब ये समस्याएं दशकों से ज्ञात हैं, तो इनके स्थायी समाधान के लिए समय रहते प्रभावी कदम क्यों नहीं उठाए गए? हर वर्ष बरसात आने के बाद मरम्मत कार्य करना स्थायी समाधान नहीं हो सकता। आवश्यकता इस बात की है कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर दीर्घकालिक योजना बनाई जाए। रेलवे को संवेदनशील क्षेत्रों की विस्तृत भू-वैज्ञानिक मैपिंग करवानी चाहिए। जहां बार-बार भूस्खलन होता है, वहां आधुनिक रॉक नेटिंग, रॉक बोल्टिंग, रिटेनिंग वॉल, ड्रेनेज सुधार, ढलानों का वैज्ञानिक स्थिरीकरण, गेबियन संरचनाएं तथा भूस्खलन की पूर्व चेतावनी देने वाली निगरानी प्रणाली विकसित की जानी चाहिए। आज देश और दुनिया के अनेक पर्वतीय रेलमार्गों पर ऐसी तकनीकों का सफल उपयोग हो रहा है।

कांगड़ा घाटी रेलवे भी इससे वंचित क्यों रहे? इसी प्रकार लगभग एक शताब्दी पुराने अनेक पुलों का विस्तृत तकनीकी ऑडिट कर चरणबद्ध सुदृढ़ीकरण आवश्यक है। कई स्थानों पर ट्रैक का नवीनीकरण, आधुनिक सिग्नल प्रणाली तथा नियमित रखरखाव समय की मांग है। यह व्यय नहीं बल्कि भविष्य में होने वाले बड़े आर्थिक नुकसान और दुर्घटनाओं से बचाव का निवेश होगा। स्थानीय लोगों की एक और महत्वपूर्ण मांग वर्षों से लंबित है। पहले इस रेलखंड पर प्रतिदिन सात ट्रेनों का संचालन होता था, जिससे यात्रियों को पर्याप्त सुविधा मिलती थी। लगभग चार वर्ष पूर्व समय-सारिणी में परिवर्तन तथा ट्रेनों की संख्या कम होने से यात्रियों की कठिनाइयां बढ़ गई। आज विद्यार्थी समय पर विद्यालय और महाविद्यालय नहीं पहुंच पाते, कर्मचारी कार्यालय आने-जाने में परेशानी झेलते हैं, छोटे व्यापारी प्रभावित होते हैं तथा पर्यटकों के लिए भी यह सेवा कम आकर्षक बन गई है। इसलिए पहले की तरह सात ट्रेनों का नियमित संचालन तथा पुरानी सुविधाजनक समय-सारिणी की बहाली जनहित में आवश्यक है।

हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था में पर्यटन का योगदान निरंतर बढ़ रहा है। ऐसे समय में कांगड़ा घाटी रेलवे प्रदेश के पर्यटन उद्योग को नई दिशा दे सकती है। स्विट्जरलैंड, जापान, ऑस्ट्रिया और भारत की अन्य विरासत रेल परियोजनाओं ने यह सिद्ध किया है कि यदि ऐतिहासिक रेलमार्गों का संरक्षण और आधुनिकीकरण किया जाए तो वे स्वयं पर्यटन का प्रमुख आकर्षण बन जाते हैं।

सरलता, संवेदना, नैतिकता, प्रेम और सेवा के पर्याय : राजेन्द्र शुक्ल

ताहिर अली

कुछ लोग पद प्राप्त करते हैं, कुछ लोग प्रतिष्ठा, किंतु विरले ही ऐसे होते हैं जो विश्वास अर्जित करते हैं। राजेन्द्र शुक्ल ऐसे ही जननेता हैं, जिनकी पहचान केवल एक जनप्रतिनिधि या मंत्री के रूप में नहीं, बल्कि एक ऐसे व्यक्तित्व के रूप में स्थापित हुई है, जिसने राजनीति को सेवा, संवाद और संवेदना के साथ जोड़ा। रीवा की पावन धरती से आरम्भ हुई उनकी सार्वजनिक यात्रा आज मध्यप्रदेश के विकास विमर्श का एक महत्वपूर्ण अध्याय बन चुकी है। पाँच बार लगातार विधानसभा के लिए निर्वाचित होना मात्र राजनीतिक सफलता नहीं बल्कि जनता द्वारा व्यक्त उस अटूट विश्वास का प्रमाण है, जो वर्षों की निरंतर उपलब्धता, पारदर्शिता और जनसरोकारों से अर्जित होता है।

सादगी में शक्ति, स्पष्टता में विश्वास राजेन्द्र शुक्ल का व्यक्तित्व आडंबर से दूर और व्यवहार से निकट है। वे अपनी बात को स्पष्ट शब्दों में रखने के लिए जाने जाते हैं। कठिन प्रशासनिक निर्णय हों या जनसरोकार के प्रश्न, वे संवाद से समाधान खोजने में विश्वास रखते हैं। कार्यकर्ताओं के लिए वे आत्मीय 'राजेन्द्र भैया' हैं और प्रशासनिक अधिकारियों के लिए अनुशासन, पारदर्शिता तथा उत्तरदायित्व के पक्षधर मार्गदर्शक। यही कारण है कि उन्होंने राजनीति और प्रशासन के बीच विश्वास का एक स्वस्थ वातावरण निर्मित किया। श्री शुक्ल का सार्वजनिक जीवन जनसेवा, सुशासन और राष्ट्र के प्रति अपना समर्पण सदैव प्रेरणास्पद रहा है। सहज संवादशीलता श्री शुक्ल के व्यक्तित्व की विशिष्ट विशेषता है। वे लोगों की बातें सुनते हैं, समस्याओं को समझते हैं और समाधान खोजने की दिशा में सदैव सक्रिय रहते हैं। स्पष्टवादिता उनके स्वभाव का अभिन्न अंग है।

विकास की वह दृष्टि जिसमें परंपरा भी है और प्रगति भी अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में उन्होंने ऊर्जा, पर्यावरण, वन, उद्योग, खनिज, आवास, जनसम्पर्क सहित अनेक विभागों की जिम्मेदारी संभाली। प्रत्येक दायित्व में उनकी सोच केवल तात्कालिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं रही, बल्कि दीर्घकालिक परिवर्तन पर केन्द्रित रही। ऊर्जा क्षेत्र में 'अटल ज्योति अभियान' के माध्यम से प्रदेश में निर्बाध विद्युत व्यवस्था की दिशा में किए गए प्रयास आज भी उल्लेखनीय माने जाते हैं। वहीं रीवा का विशाल सौर ऊर्जा परियोजना इस बात का उदाहरण है कि विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ चल सकते हैं। उन्होंने यह भी सिद्ध किया कि किसी क्षेत्र का विकास केवल भवनों और सड़कों से नहीं होता; उसके इतिहास, संस्कृति और जनभावनाओं को सम्मान देना भी उतना ही आवश्यक है। सफेद बाघ को उसके प्राकृतिक क्षेत्र से जोड़ने का प्रयास इसी संवेदनशील सोच का परिचायक रहा।

शिक्षा, संस्कृति और समाज के प्रति प्रतिबद्धता श्री शुक्ल का मानना है कि किसी भी समाज की वास्तविक शक्ति उसकी शिक्षा और संस्कृति में निहित होती है। संस्कृत विश्वविद्यालय की स्थापना, महाविद्यालयों और छात्रावासों के विकास तथा सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के लिए उनके प्रयास इसी सोच को प्रतिबिंबित करते हैं। उन्होंने युवाओं के लिए खेल अधोसंरचना विकसित करने, शहरी क्षेत्रों में हरित उद्यानों का विस्तार करने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने वाले अनेक कार्यों को भी प्राथमिकता दी। गौ-सेवा और पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनका समर्पण उनकी संवेदनशीलता को और अधिक स्पष्ट करता है। उनकी सोच युवाओं के लिए भी प्रेरणादायी है। वे अक्सर कहते हैं- जोश को होश से जोड़िए। अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी समझिए। विचारशील नागरिक ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण करते हैं।' यह संदेश केवल भाषण का हिस्सा नहीं, बल्कि उनके सार्वजनिक जीवन का व्यावहारिक दर्शन है।

नेतृत्व का अर्थ राजेन्द्र शुक्ल की कार्यशैली का सार यदि एक वाक्य में कहा जाए तो वह यह है कि समस्याओं को अवसर में बदलने की क्षमता ही नेतृत्व की वास्तविक पहचान है। वे अक्सर इस बात पर बल देते हैं कि किसी भी योजना की सफलता उसके अंतिम लाभार्थी के जीवन में आए परिवर्तन से मापी जानी चाहिए। यही सोच उन्हें योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और सतत समीक्षा के लिए प्रेरित करती है। उनकी राजनीति टकराव से अधिक संवाद की राजनीति है। वे प्रशासन और जनता के बीच विश्वास का सेतु बनकर कार्य करने में विश्वास रखते हैं। यही कारण है कि उनके निर्णयों में तकनीकी दक्षता के साथ मानवीय दृष्टिकोण भी दिखाई देता है।

नैतिकता और संयम का पथ आज जब सार्वजनिक जीवन में तीव्र प्रतिस्पर्धा और कटुता का वातावरण देखने को मिलता है, तब श्री शुक्ल ने सादगी, संयम और शालीनता को अपनी पहचान बनाया है। वे असहमति को संवाद में बदलने, आलोचना को सुधार के अवसर के रूप में देखने और जनहित को सर्वोपरि रखने के पक्षधर हैं। उनका विश्वास है कि जनहित सर्वोपरि होना चाहिए और राजनीति समाज को जोड़ने का माध्यम बने, विभाजित करने का नहीं। उनका जीवन यह संदेश देता है कि पद क्षणिक हो सकता है, किंतु सिद्धांत स्थायी होते हैं। सेवा का भाव ही नेतृत्व को दीर्घकालिक सम्मान प्रदान करता है।

विंध्य क्षेत्र को देश के विकसित क्षेत्र के रूप में दिलाई पहचान राजेन्द्र शुक्ल रीवा सहित विंध्य क्षेत्र को देश के सबसे विकसित क्षेत्र के रूप में पहचान दिलाने के चौतरफा विकास के लक्ष्य को लेकर चल रहे हैं। श्री शुक्ल का अब तक का सार्वजनिक जीवन जनसेवा और समर्पण का एक अद्भुत उदाहरण रहा है। विशेष रूप से, उपमुख्यमंत्री का दायित्व सँभालने के पश्चात जिस प्रकार उनके कुशल नेतृत्व और प्रयासों से विंध्य क्षेत्र का कायाकल्प हो रहा है, वह अत्यंत उल्लेखनीय है। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में आपकी दूरदर्शी सोच ने रीवा के साथ विंध्य को राष्ट्रीतहय एवं वैश्विक स्तर पर विशिष्ट पहचान दिलाई है। प्रदेश की पहली नागरिक विमानन नीति के जारी होने के उपरांत प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुसार हवाई चप्पल से हवाई जहाज के सफर के सपने को साकार किया है। रीवा से दिल्ली, इंदौर, रायपुर सीधे हवाई मार्ग के माध्यम से जुड़ चुके हैं। इसके अतिरिक्त भोपाल एवं कोलकाता के लिए भी हवाई सेवाएं जल्दी शुरू हो जाएंगी। रीवा में एयरपोर्ट सुविधा के लिए उनके प्रयास फलीभूत हुए हैं विंध्य की देश के अन्य हिस्सों से कनेक्टिविटी बेहतर हुई, विंध्य के रेल और हवाई मार्ग से महानगरों से जुड़ना तथा फ्लाईओवर, सड़कों के विकास से उद्योग, पर्यटन, शिक्षा, पेयजल, सौंदर्यीकरण एवं स्वास्थ्य आदि के क्षेत्र में गति मिलना श्री शुक्ल के प्रयासों का जीता-जागता उदाहरण है। पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी विशेष अभिरुचि रही है। जगह-जगह वृक्षारोपण और नगर वन वन का निर्माण करवाया है। राजकपूर आडिटोरियम की स्थापना से विंध्य के कलाकारों को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिला है। युवाओं के खेलकूद के लिए उन्होंने विश्व स्तरीय मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण कराया।

पीतांबरा माई के धाम दतिया में मुख्यमंत्री मोहन यादव की परीक्षा

दतिया मध्य प्रदेश का ऐसा शहर है जिसकी पहचान राजनीति से नहीं बल्कि आस्था से होती है। मां पीतांबरा पीठ के कारण यह नगर देशभर में प्रसिद्ध है। वर्षों से यह मान्यता रही है कि यहां आने वाला श्रद्धालु शक्ति और सिद्धि की कामना लेकर आता है। देश के अनेक राजनेता, उद्योगपति, न्यायपालिका से जुड़े लोग तथा विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियां समय-समय पर मां पीतांबरा के दर्शन के लिए पहुंचती रही हैं।

पवन वर्मा-विनायक फीचर्स

इन दिनों यही दतिया विधानसभा उपचुनाव के कारण राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बना हुआ है। इस उपचुनाव ने प्रदेश की राजनीति को नई दिशा देने वाला माहौल तैयार कर दिया है। चुनावी परिणाम से अधिक चर्चा इस बात की है कि यह मुकाबला मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के राजनीतिक नेतृत्व की परीक्षा बन गया है। यहां पर 30 जुलाई को मतदान हुआ और अब मतगणना 3 अगस्त को होना है।

दतिया विधानसभा सीट लंबे समय तक भाजपा के वरिष्ठ नेता और प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा की पहचान रही है। संगठन में उनकी स्वीकार्यता, प्रशासनिक अनुभव और क्षेत्र में मजबूत जनाधार ने उन्हें भाजपा के प्रभावशाली नेताओं की पहली पंक्ति में स्थापित किया। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में उनकी पराजय ने प्रदेश की राजनीति में बड़ा बदलाव पैदा किया। उसी चुनाव के बाद मुख्यमंत्री पद को लेकर कई नाम चर्चा में आए थे। नरेंद्र सिंह तोमर, कैलाश विजयवर्गीय और प्रहलाद पटेल के साथ नरोत्तम मिश्रा का नाम भी राजनीतिक गलियारों में सम्मान के साथ लिया जाता था। यदि वे चुनाव जीत जाते तो मुख्यमंत्री पद की संभावनाओं में उनका उल्लेख और अधिक मजबूती से होता। उस वक़्त परिस्थितियां बदलीं और पार्टी नेतृत्व ने डॉ. मोहन यादव को मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी सौंप दी।

मुख्यमंत्री बनने के बाद डॉ. मोहन यादव ने संगठन और सरकार के बीच संतुलन बनाने का प्रयास किया। कैलाश विजयवर्गीय और प्रहलाद पटेल जैसे वरिष्ठ नेताओं को मंत्रिमंडल में स्थान मिला। नरेंद्र सिंह तोमर को विधानसभा अध्यक्ष बनाया गया। इस व्यवस्था ने भाजपा के भीतर संतुलन का संदेश दिया। दतिया उपचुनाव ने इस संतुलन को फिर राजनीतिक चर्चा के केंद्र में ला दिया है। पार्टी ने इस बार नरोत्तम मिश्रा को उम्मीदवार नहीं बनाया और आशुतोष तिवारी पर विश्वास जताया। इस निर्णय के साथ चुनाव का पूरा दायित्व मुख्यमंत्री के नेतृत्व पर आ गया। स्वाभाविक रूप से इस चुनाव का परिणाम मुख्यमंत्री की राजनीतिक क्षमता के आकलन का आधार भी बनेगा।

दतिया में भाजपा के चुनाव अभियान की सक्रियता सामान्य उपचुनाव जैसी दिखाई नहीं दी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह तथा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल लगातार क्षेत्र में डटे रहे। संगठन का लगभग पूरा तंत्र चुनाव संचालन में जुटाया गया। मुख्यमंत्री स्वयं भी लगातार सभाएं, रोड शो और जनसंपर्क कर रहते रहे। वे अलग अलग समाज की बैठकों में भी गए। इस स्तर की सक्रियता यह संकेत देती है कि भाजपा इस चुनाव को प्रतिष्ठा का प्रश्न मानकर आगे बढ़ रही है। चुनाव प्रचार की रणनीति से स्पष्ट है कि पार्टी कोई जोखिम लेने के पक्ष में नहीं है।

डॉ. मोहन यादव के मुख्यमंत्री बनने के बाद हुए उपचुनावों का रिकॉर्ड भी इस चुनाव को महत्वपूर्ण बनाता है। पहला उपचुनाव अमरवाड़ा में हुआ। यह उपचुनाव कांग्रेस विधायक कमलेश शाह के भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के कारण हुआ। कमलेश शाह ने उपचुनाव भाजपा के टिकट पर लड़ा। उस चुनाव में भाजपा को सफलता मिली। इसे मुख्यमंत्री मोहन यादव की पहली बड़ी राजनीतिक उपलब्धि माना गया। इस जीत का प्रभाव छिंदवाड़ा की राजनीति पर भी दिखाई दिया, जहां लंबे समय से कांग्रेस के दिग्गज नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का प्रभाव माना जाता रहा है।

इसके बाद परिस्थितियां बदलीं। लोकसभा चुनाव में शिवराज सिंह चौहान के सांसद बनने के बाद बुधनी विधानसभा सीट रिक्त हुई। इसी अवधि में कांग्रेस विधायक रामनिवास रावत भाजपा में शामिल हुए, उन्हें मोहन यादव मंत्रिमंडल में वन मंत्री भी बनाया गया । रावत के पाला बदलने से विजयपुर सीट पर उपचुनाव की स्थिति बनी। नवंबर 2024 में दोनों सीटों पर मतदान हुआ। परिणामों ने राजनीतिक विश्लेषकों का ध्यान अपनी ओर खींचा। बुधनी जैसी मजबूत भाजपा सीट पर जीत का अंतर अपेक्षा से काफी कम रहा। वर्ष 2023 में जिस सीट पर शिवराज सिंह चौहान एक लाख से अधिक मतों के अंतर से विजयी हुए थे, उसी सीट पर भाजपा उम्मीदवार रमाकांत भार्गव मात्र तेरह हजार मतों के अंतर से जीत दर्ज कर सके। विजयपुर में भाजपा उम्मीदवार और रामनिवास रावत मंत्री रहते पराजित हो गए। इन दोनों परिणामों ने यह संदेश दिया कि उपचुनावों में सत्ताधारी दल की मजबूत रहने वाली स्थिति कमजोर पड़ गई।

इन्हीं घटनाओं का प्रभाव आगे भी दिखाई दिया। कांग्रेस से निर्वाचित बीना विधायक निर्मला सप्रे ने लोकसभा चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री के मंच को साझा किया था। राजनीतिक चर्चाओं में उनके भाजपा में शामिल होने की संभावना व्यक्त की गई। विजयपुर के अनुभव के बाद ऐसी संभावनाएं आगे नहीं बढ़ सकीं। इस उदाहरण ने भी यह स्पष्ट किया कि उपचुनावों की राजनीति अनेक बार सामान्य राजनीतिक गणित से अलग दिशा में चलती है।

अब दतिया मुख्यमंत्री मोहन यादव के कार्यकाल का चौथा बड़ा उपचुनाव है। इसी कारण राजनीतिक पर्यवेक्षक इस चुनाव को सामान्य निर्वाचन की दृष्टि से नहीं देख रहे। इस चुनाव में मुख्यमंत्री के नेतृत्व, संगठन की क्षमता और सरकार की लोकप्रियता तीनों का परीक्षण एक साथ हो रहा है। यदि भाजपा विजय प्राप्त करती है तो मुख्यमंत्री के नेतृत्व को नई मजबूती मिलेगी। दूसरी स्थिति में विपक्ष को सरकार पर राजनीतिक आक्रमण का अवसर प्राप्त होगा। यही कारण है कि दतिया का चुनाव प्रदेश की सीमाओं से बाहर भी चर्चा का विषय बन गया है।

कांग्रेस भी इस चुनाव को पूरी गंभीरता से लड़ा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार तथा पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता लगातार क्षेत्र में सक्रिय रहे। कांग्रेस ने इस चुनाव को सरकार के विरुद्ध जनमत के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया। दूसरी ओर भाजपा ने विकास कार्यों, संगठन की ताकत और मुख्यमंत्री की सक्रियता को प्रमुख आधार बनाकर मतदाताओं तक पहुंचने की कोशिश की। दोनों दलों के बीच सीधे मुकाबले ने इस चुनाव को और रोचक बना दिया। यहां पर मतदान 71 प्रतिशत हुआ, एसआईआर के बाद मतदान का यह प्रतिशत बहुत अच्छा नहीं माना जा सकता, मतलब लगभग 29 प्रतिशत लोगों ने वोट डालने से परहेज किया।

दतिया का सामाजिक और राजनीतिक स्वरूप भी इस चुनाव को विशेष बनाता है। यहां स्थानीय समीकरण, परंपरागत राजनीतिक संबंध, जातीय संतुलन, संगठन की सक्रियता तथा उम्मीदवार की व्यक्तिगत स्वीकार्यता सभी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उपचुनावों में मतदान प्रतिशत, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और स्थानीय असंतोष अनेक बार परिणामों की दिशा बदल देते हैं। यही कारण है कि भाजपा ने चुनाव अभियान में कोई कमी नहीं छोड़ी है।

कलेक्टर ने सेवा सहकारी समिति मर्यादित कछौड़ का किया औचक निरीक्षण

गोदाम की जर्जर एवं अव्यवस्थित स्थिति पर जताई नाराजगी, समिति प्रबंधक को लगाई फटकार, तत्काल साफ-सफाई के दिए निर्देश

किसानों के पंजीयन, एमओपी, एमपीके, नैनो डीएपी, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं खाद वितरण व्यवस्था की बारीकी से की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने खरीफ सीजन के दौरान किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण कृषि आदान उपलब्ध कराने तथा सहकारी समितियों की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के उद्देश्य से सेवा सहकारी समिति मर्यादित कछौड़ का औचक निरीक्षण किया इस दौरान उनके साथ अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार, डिप्टी कलेक्टर नेहा खलखो डिप्टी कलेक्टर स्वप्निल वर्मा सहित कृषि विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने समिति में किसानों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं खाद-बीज के भंडारण एवं वितरण व्यवस्था, विभिन्न कृषि योजनाओं के क्रियान्वयन तथा अभिलेखों की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए कलेक्टर ने समिति प्रबंधक से किसानों के पंजीयन की प्रगति की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि सभी पात्र किसानों का पंजीयन निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण पारदर्शिता के साथ सुनिश्चित किया जाए ताकि शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र किसान तक समय पर पहुंच सके उन्होंने समिति में उपलब्ध एमओपी (म्यूरेट ऑफ पोटाश), एमपीके उर्वरक, नैनो डीएपी सहित अन्य उर्वरकों के स्टॉक, वितरण व्यवस्था एवं मांग के अनुरूप उपलब्धता की विस्तार से जानकारी ली साथ ही कंप्यूटर प्रणाली में दर्ज किसानों के पंजीयन खाद वितरण एवं अन्य ऑनलाइन अभिलेखों का अवलोकन कर सभी जानकारियों को नियमित रूप से अद्यतन रखने तथा ऑनलाइन प्रविष्टियों में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों के पंजीयन एवं आवेदन की प्रगति की भी समीक्षा की उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कोई भी पात्र किसान योजना के लाभ से वंचित न रहे तथा अंतिम तिथि से पूर्व सभी पात्र किसानों का पंजीयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने किसानों को योजना की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने तथा अधिक से अधिक किसानों को फसल बीमा से जोड़ने पर विशेष जोर दिया कलेक्टर ने समिति के स्टॉक रजिस्टर, वितरण पंजी, अभिलेखों एवं अन्य दस्तावेजों का भी गहन निरीक्षण किया उन्होंने निर्देश दिए कि सभी अभिलेख अद्यतन, सुव्यवस्थित एवं त्रुटिरहित रखे जाएं तथा खाद वितरण में पूर्ण पारदर्शिता बरती जाए। किसानों को निर्धारित दर पर ही उर्वरक उपलब्ध कराया जाए तथा किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त होने पर उसका त्वरित एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित किया जा निरीक्षण के दौरान समिति परिसर स्थित गोदाम की स्थिति जर्जर एवं अव्यवस्थित पाई गई। गोदाम में साफ-सफाई के अभाव तथा रखरखाव की खराब स्थिति पर कलेक्टर ने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए समिति प्रबंधक को कड़ी फटकार लगाई उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि गोदाम की तत्काल साफ-सफाई कर उसे सुव्यवस्थित किया जाए ताकि खाद एवं बीज का सुरक्षित भंडारण सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि कृषि आदानों के भंडारण स्थल पर स्वच्छता एवं सुव्यवस्था बनाए रखना समिति की प्राथमिक जिम्मेदारी है तथा इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समिति में आने वाले प्रत्येक किसान को शासन की कृषि योजनाओं की समुचित जानकारी उपलब्ध कराई जाए तथा खाद बीज, फसल बीमा एवं अन्य सुविधाओं से संबंधित समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए उन्होंने कहा कि खरीफ सीजन में किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण कृषि आदान उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

गौ-रक्षा संदेश पदयात्रा शुरू, शिवपुरी की ओर बढ़े संत और श्रद्धालु

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। गौ-सेवा, गौ-संरक्षण और गौ-हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग को लेकर शनिवार को जिले में दो दिवसीय गौ-रक्षा संदेश पदयात्रा का शुभारंभ हुआ। बैकुण्ठधाम आश्रम ग्राम एनवारा (बदखास) से शुरू हुई इस पदयात्रा में संत-महात्माओं, गौ-भक्तों, श्रद्धालुओं और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा का उद्देश्य गौ-संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना और समाज को गौ-सेवा के लिए प्रेरित करना है पदयात्रा बैकुण्ठधाम आश्रम से रवाना होकर देहरदा और लुक्वासा होते हुए कोलारस पहुंची। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। कोलारस पहुंचने पर क्षेत्रीय विधायक महेंद्र सिंह यादव भी पदयात्रा में शामिल हुए और गुरु राजेश जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान गौ-रक्षा के समर्थन में जयघोष और नारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। पहले दिन पदयात्रियों का रात्रि विश्राम कोलारस में हुआ इस अवसर पर गुरु राजेश जी महाराज ने कहा कि गौ-माता भारतीय संस्कृति, आस्था और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि गौ-सेवा केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक कृषि और समाज के समग्र विकास से भी जुड़ी हुई है। उन्होंने गौ-संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक को इस अभियान से जुड़ना चाहिए उन्होंने बताया कि पदयात्रा का उद्देश्य गौ-रक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ना, किसानों को गोपालन के लिए प्रोत्साहित करना, शासकीय गौशालाओं के बेहतर संचालन की मांग करना तथा गोपालकों को सम्मानजनक सहयोग दिलाना है आयोजकों के अनुसार, पदयात्रा का दूसरा चरण रविवार को कोलारस से प्रारंभ होकर पड़ेरा और सेसई होते हुए शाम लगभग 6 बजे शिवपुरी स्थित राज-राजेश्वरी मंदिर पहुंचेगा, जहां यात्रा का समापन होगा।

मिशन 100 की शपथ से गूंजा चिरमिरी, 20 बेटियों को साइकिल और 50 पौधों से सजा शिक्षा का उत्सव

शिक्षा का संकल्प, बेटियों को उड़ान और हरियाली का संदेश चिरमिरी में शाला प्रवेश उत्सव का भव्य आयोजन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी विद्यालय गोदरीपारा, चिरमिरी में शनिवार को शाला प्रवेश उत्सव नि:शुल्क सरस्वती साइकिल वितरण एवं एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ शासन के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास तथा 20 सूत्रीय कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने की कार्यक्रम के दौरान कक्षा पहली में प्रवेश लेने वाले नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों का उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया मंत्री जायसवाल ने बच्चों को

तिलक लगाकर माला पहनाकर एवं मिष्ठान खिलाकर उनका अभिनंदन किया उन्होंने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को किताबें एवं परिचय पत्र भी प्रदान किए इस दौरान विद्यालय परिसर में बच्चों के चेहरों पर उत्साह और उमंग देखने को मिली मिशन 100 के तहत विद्यार्थियों ने लिया संकल्प कार्यक्रम में शिक्षा की गुणवत्ता एवं बेहतर परीक्षा परिणाम पर विशेष जोर दिया गया मिशन 100 के तहत कक्षा 10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों को 100 प्रतिशत परीक्षा परिणाम हासिल करने की शपथ मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने दिलाई उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित अध्ययन अनुशासन और मेहनत के साथ परीक्षा की तैयारी करने का आह्वान किया। मंत्री जायसवाल ने उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं पालकों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की सफलता में विद्यालय के साथ-साथ अभिभावकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है उन्होंने पालकों से बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने और उन्हें बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने का आग्रह किया उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने तथा अच्छे परीक्षा परिणाम के लिए पूरी लगन से प्रयास करने के लिए प्रेरित किया 20 छात्राओं को मिली नि:शुल्क सरस्वती साइकिल कार्यक्रम के दौरान नि:शुल्क सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत पात्र 20 छात्राओं को साइकिल वितरित की गई।

महिला कांग्रेस का प्रदर्शन, केंद्रीय मंत्री और सांसद के खिलाफ पुतला दहन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिला महिला कांग्रेस ने शुक्रवार को केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और भाजपा सांसद कंगना रनौत के कथित विवादित बयानों के विरोध में राजीव गांधी चौक पर प्रदर्शन किया। इस दौरान महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दोनों नेताओं के प्रतीकात्मक पुतले जलाए और नारेबाजी करते हुए सार्वजनिक रूप से माफी की मांग की प्रदर्शन के दौरान महिला कांग्रेस पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी का कथित बयान तथा सांसद कंगना रनौत द्वारा देश की युवा पीढ़ी (जेन-जेड) की बेटियों को लेकर की गई कथित टिप्पणी महिलाओं के सम्मान और गरिमा के विरुद्ध है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में जनप्रतिनिधियों को मर्यादित एवं जिम्मेदार भाषा का प्रयोग करना चाहिए पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष प्रभा पटेल ने कहा कि देश की आधी आबादी का सम्मान करना हर जनप्रतिनिधि का दायित्व है और महिलाओं पर किसी भी प्रकार की अपमानजनक टिप्पणी स्वीकार नहीं की जा सकती। पूर्व प्रदेश महामंत्री रुकमणी खोपरागढ़े ने कहा कि ऐसे बयान समाज में गलत संदेश देते हैं और महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचाते हैं जिला कांग्रेस महामंत्री पूनम सिंह ने कहा कि देश की बेटियों के आत्मसम्मान के खिलाफ किसी भी टिप्पणी का विरोध किया जाएगा। वहीं पूर्व जिला अध्यक्ष (शहर) रूमा चटर्जी ने कहा कि महिलाओं के सम्मान पर आघात करने वाले बयानों के खिलाफ लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन जारी रहेगा। पूर्व जिला अध्यक्ष (ग्रामीण) निर्मला चतुर्वेदी ने स्पष्ट किया कि यह विरोध किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा के उद्देश्य से किया जा रहा है।

मंदसौर में सिंथेटिक ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़, 25 लाख की सामग्री जब्त

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मंदसौर जिले में सिंथेटिक ड्रग्स (एमडी/मेफेड्रोन) निर्माण की एक अवैध फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मौके से एमडी ड्रग्स, भारी मात्रा में रसायन, ड्रग्स बनाने के उपकरण तथा बिना नंबर की स्कॉर्पियो कार सहित 25 लाख रुपये से अधिक की सामग्री जब्त की है। मामले में आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है पुलिस के अनुसार, 31 जुलाई और 1 अगस्त की दरमियानी रात मुखबिर की सूचना पर थाना सीतामऊ पुलिस ने ग्राम मानपुरा स्थित एक खेत में बने टीन शेड पर दबिश दी। पुलिस टीम के पहुंचते ही वहां मौजूद आरोपियों ने फायरिंग कर दी पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, लेकिन आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए तलाशी के दौरान मौके से 110 ग्राम एमडी ड्रग्स, बिना नंबर की महिंद्रा स्कॉर्पियो-एन, चार कंटेनरों में लगभग 208 किलोग्राम रसायन, अन्य कंटेनरों में करीब 117.8 किलोग्राम केमिकल, 1.8 किलोग्राम क्रिस्टल स्वरूप पदार्थ, इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटा, गैस भट्टी, इलेक्ट्रिक हीटगन, मोटरयुक्त ड्रम, प्लास्टिक कंटेनर, स्टील के बर्तन तथा ड्रग्स निर्माण में उपयोग होने वाले अन्य उपकरण बरामद किए गए यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीणा के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) राम स्नेही मिश्रा और एसडीओपी दिनेश प्रजापति के मार्गदर्शन में थाना सीतामऊ की विशेष टीम ने की। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है और मामले की विस्तृत जांच जारी है।

बस स्टैंड पर जेबकतरा पकड़ा, शहर में स्मैक तस्करी को लेकर बढ़ी चिंता

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शहर के बस स्टैंड पर शनिवार को एक युवक यात्री की जेब से दो हजार रुपये निकालते हुए रंगे हाथों पकड़ गया मौके पर मौजूद लोगों ने उसकी पिटाई कर दी लेकिन भीड़ का फायदा उठाकर आरोपी वहां से फरार हो गया घटना के बाद बस स्टैंड क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं इधर शहर के लुधावली और फतेहपुर क्षेत्रों से सामने आए कुछ वीडियो ने स्मैक तस्करी और नशे की समस्या को लेकर चिंता बढ़ा दी है वीडियो में कुछ युवक खुलेआम स्मैक का सेवन करते और इसकी सप्लाई करते दिखाई दे रहे हैं स्थानीय लोगों का आरोप है कि शहर में स्मैक के साथ नशे में इस्तेमाल होने वाली सिरिंज भी आसानी से उपलब्ध हो रही हैं जिससे युवाओं में नशे की लत तेजी से फैलने का खतरा बढ़ गया है पुलिस का कहना है कि स्मैक तस्करों और पेडलरों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर.डी. प्रजापति के अनुसार हाल ही में 15 दिन का विशेष अभियान चलाकर नशे के कारोबार पर कार्रवाई के साथ-साथ जनजागरूकता अभियान भी संचालित किया गया उन्होंने कहा कि अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी हालांकि, स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कार्रवाई के बावजूद शहर में सक्रिय मुख्य सरगनाओं तक पुलिस की पहुंच नहीं बन पा रही है।

खेतों में पहुंचीं कलेक्टर, दलहन-तिलहन उत्पादन व प्राकृतिक खेती का किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुश्री संतन देवी जांगड़े ने शनिवार को विकासखंड मनेंद्रगढ़ के लालपुर, पसौरी, चरवाही और सेमरिया सहित विभिन्न गांवों का दौरा कर कृषि, प्राकृतिक खेती तथा विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने खेतों में पहुंचकर किसानों से चर्चा की, फसलों की स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों को किसानों को समय पर तकनीकी मार्गदर्शन, गुणवत्तापूर्ण बीज एवं कृषि संसाधन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए लालपुर में कलेक्टर ने दलहन एवं तिलहन बीज उत्पादन कार्यक्रम का निरीक्षण कर सामुदायिक खेती कर रहे किसानों से अरहर, मक्का, तिल और मूंगफली की खेती की जानकारी

ली। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन, नियमित फील्ड मॉनिटरिंग तथा आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। पसौरी में किसानों द्वारा धान के स्थान पर प्रमाणित तिल बीज उत्पादन की सराहना करते हुए फसल विविधीकरण को किसानों की आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बताया दौरे के दौरान कलेक्टर ने निर्माणाधीन भगमड़िया नवीन तालाब का निरीक्षण कर मिट्टी भराई कार्य में तेजी लाने तथा नहर के गेट पर सुरक्षा जाली लगाने के निर्देश दिए। चरवाही स्थित राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के बीआरसी सेंटर में उन्होंने स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार जैविक खाद एवं जैविक कीटनाशकों का अवलोकन किया और इनके ऑनलाइन विपणन पर विशेष बल दिया सेमरिया में कलेक्टर ने धान बीज की कतार रोपाई, जैविक खेती और उन्नत कृषि पद्धतियों का निरीक्षण किया। उन्होंने किसानों से खेती की लागत, उत्पादन और जैविक तकनीकों पर चर्चा करते हुए आधार कैंप स्थापित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा लालपुर के कलमडांड में गुलाब की व्यावसायिक खेती तथा घरौंदा आश्रम गृह का निरीक्षण कर बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए कलेक्टर ने कहा कि शासन की योजनाओं का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा जब अधिकारी नियमित रूप से मैदानी क्षेत्रों में पहुंचकर कार्यों की गुणवत्ता की निगरानी करेंगे। उन्होंने कृषि एवं विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने और किसानों को प्राथमिकता के आधार पर हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

खड़गवां पुलिस ने 48 घंटे में चोरी का किया खुलासा, कैमरा और दो बाइक जब्त

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। एमसीबी जिले के खड़गवां पुलिस ने चोरी के एक मामले का 48 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई सोने की चेन, डिजिटल कैमरा, वारदात में प्रयुक्त लोहे का रॉड और दो मोटरसाइकिलें जब्त की हैं पुलिस के अनुसार, प्रार्थिया रोशनी तिर्की ने 28 जुलाई को खड़गवां थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि वह 23 जुलाई को अपने घर में ताला लगाकर अंबिकापुर गई थीं 28 जुलाई को लौटने पर उन्हें घर का ताला टूटा मिला और खिड़की की जाली काटकर अज्ञात चोर घर में घुस गए थे पुलिस ने 48 घंटे के भीतर ही चोरी का माल बरामद कर लिया पुलिस ने 48 घंटे के भीतर ही चोरी का माल बरामद कर लिया चोरों ने घर से सोने की चेन, झुमका, अंगूठी, चांदी का पायल और डिजिटल कैमरा सहित अन्य सामान चुरा लिया था। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की मुखबीर की सूचना पर मिले संदिग्ध थाना प्रभारी सुनील तिवारी के नेतृत्व में गठित टीम ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना के आधार पर संदिग्धों की पहचान की। लालपुर निवासी गौरव उर्फ साहिल उर्फ झुल्लुल (19 वर्ष) और भीम उर्फ भीमा (19 वर्ष) को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें दोनों ने चोरी करना स्वीकार कर लिया कब्जे का सामान बरामद पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी का सारा सामान बरामद कर लिया है साथ ही, वारदात में इस्तेमाल किया गया लोहे का रॉड और दो मोटरसाइकिलें भी जब्त की गई हैं दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

शिक्षा व्यवस्था पर कलेक्टर की पैनी नजर : स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों का किया गहन निरीक्षण

बेहतर शिक्षा और सुरक्षित भविष्य पर फोकस : कलेक्टर ने विद्यालयों का किया निरीक्षण, प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए किया प्रेरित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सुश्री संतन देवी जांगड़े ने मनेन्द्रगढ़ विकासखंड के विभिन्न शासकीय विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण कर शिक्षा व्यवस्था, विद्यार्थियों की उपस्थिति, आधारभूत सुविधाओं तथा आंगनबाड़ी सेवाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार, डिप्टी कलेक्टर नेहा खलखो, डिप्टी कलेक्टर स्वप्निल वर्मा तथा कृषि विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे कलेक्टर ने सबसे पहले शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पसौरी पहुंचकर छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों की उपस्थिति की जानकारी ली तथा संचालित टेस्ट परीक्षा का अवलोकन किया। उन्होंने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद करते हुए उनके भविष्य के लक्ष्य, कैरियर की योजनाओं एवं अध्ययन की तैयारी के बारे में जानकारी ली इस दौरान डिप्टी कलेक्टर नेहा खलखो एवं स्वप्निल वर्मा ने विद्यार्थियों को छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, अध्ययन की रणनीति तथा उपलब्ध अवसरों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी देकर उन्हें उच्च लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विद्यालय की आधारभूत सुविधाओं का भी निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय के वॉशरूम की मरम्मत कराने तथा बाउंड्री वॉल निर्माण के लिए पंचायत स्तर पर आवश्यक प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए दौरे के अंतिम चरण में कलेक्टर ने डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कछौड़ का निरीक्षण किया डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल में उन्होंने मुख्य द्वार, टेरेस, प्रयोगशाला एवं वॉशरूम की स्थिति का अवलोकन करते हुए आवश्यक मरम्मत एवं उन्नयन कार्यों के लिए प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिए इसके पश्चात शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कछौड़ में कक्षा 9वीं, 10वीं, 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों और शिक्षकों की उपस्थिति, विद्यालय परिसर की स्वच्छता, वॉशरूम, कक्षाओं की व्यवस्था तथा शैक्षणिक गतिविधियों का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर, अपर कलेक्टर एवं दोनों डिप्टी कलेक्टरों ने विद्यार्थियों से सीधा संवाद कर उनकी शैक्षणिक प्रगति, मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य तथा अध्ययन संबंधी चुनौतियों की जानकारी ली उन्होंने विद्यार्थियों को स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर नियमित अध्ययन अनुशासन एवं समय प्रबंधन के साथ परीक्षा की तैयारी करने की सलाह दी। साथ ही 12वीं के बाद उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं एवं विभिन्न कैरियर विकल्पों की जानकारी देकर उन्हें अपने भविष्य के प्रति गंभीर एवं जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया।

जुड़वां बच्चों को मारने वाली मां को दोहरा आजीवन कारावास

पिता को भी 3 साल की सजा, गुस्से में आकर पानी की टंकी में डूबाकर मारा, कब्र से निकाले थे शव

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम में करीब डेढ़ साल पहले पानी की टंकी अपने दो बच्चों को डूबाकर मारने वाली मां को कोर्ट ने दोहरे आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही साक्ष्य छिपाने में पिता को भी दोषी मानते हुए 3 साल के कारावास की सजा दी है। मां की इस हरकत पर पिता ने पुलिस को जानकारी नहीं देते हुए बच्चों के शवों को दफना दिया था। तब पुलिस ने कब्र से बच्चों के शवों को निकालकर पीएम कराया था। फैसला अष्टम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश निर्मल मंडोरिया ने सुनाया। अतिरिक्त लोक अभियोजक संजीव सिंह चौहान ने बताया की 20 नवंबर 2024 को इरशाद कुरैशी निवासी मदीना मस्जिद के पीछे वेद व्यास कालोनी रतलाम द्वारा पुलिस थाना माणकचौक को सूचना दी। बताया कि उसके मकान की ऊपरी मंजिल पर आमिर कुरैशी और उसकी पत्नी पम्मी उर्फ मुस्कान बच्चों के साथ किराए पर रहते है। उसे दोपहर करीब 2.30 बजे उसके सामने रहने वाले पड़ोसी साबिर ने बताया कि पम्मी उर्फ मुस्कान उसके बच्चे हसन और फातिमा के साथ घर के अंदर थी। तभी पम्मी की आवाज आई कि उसके बच्चे हसन और फातिमा पानी के ड्रम में गिर गए है। मौके पर आसपास रहने वालों ने जाकर देखा। दोनों जुड़वा बच्चे पानी की सिंटेक्स टंकी में पड़े थे। उस समय घर पर पति नहीं था। उसे जानकारी दी। वह अपने दोस्त बिलाल के साथ पहुंचा। 4 माह के दोनों जुड़वा बच्चों को टंकी मे निकाला। जब तक दोनों की मौत हो चुकी थी।

पुलिस को जानकारी दिए बगैर दफनाया: पिता आमिर अपने दोस्त बिलाल के साथ पुलिस को जानकारी दिए बगैर दोनों बच्चों के शवों को लेकर कुरैशी मंडी शेरानीपुरा ले जाकर दफना दिया। बाद में पुलिस को जानकारी मिली। पुलिस ने अप्राकृतिक मृत्यु का केस दर्ज कर मामला जांच में लिया। घटना के अगले दिन पुलिस ने शवों को कब्र से निकलवाए। पीएम कराया। जिसमें दोनों बच्चों की मौत पानी में डूबने से होना सामने आया। तब पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच में जुटी। एसपी अमित कुमार ने बच्चों के टंकी में गिरने का रिक्रियशन कराया। टंकी में बेबी डॉल (बच्चों के खेलने की गुड़िया) गिराकर पिता के सामने घटना का रिक्रिएट किया। जांच में सामने आया कि मां ने ही बच्चों को गुस्से में आकर पानी की टंकी में डूबा कर मार दिया।

पति को जाने से रोका था गुस्से में बच्चों को मारा: जांच के दौरान साक्ष्यों एवं मां वल पिता से कड़ी पूछताछ की। सामने आया कि मां मुस्कान अपने पति और दो जुड़वा बच्चों और एक लड़की अक्सा के साथ ससुराल से अलग मदीना मस्जिद के पीछे वेद व्यास कालोनी में निवास करती थी। 19 नवंबर को पति के रिश्तेदारी में गमी हो जाने से उसकी सास भी घर पर आई थी। जब पति आमिर और सास गमी में जाने लगे तो मुस्कान ने पति आमिर से कहा कि तुम मत जाओ और यही रुक जाओ। मैं दोनों जुड़वा बच्चों को अकेली नहीं संभाल पाऊंगी। तब पति आमिर और उसकी सास ने मुस्कान की बात नहीं सुनी। इससे मुस्कान बहुत चिढ़ गई और उसने सोचा कि दोनों बच्चों को खत्म कर देती हूं। मुस्कान का एक बच्चा जमीन पर खेल रहा था व दूसरा झूले में था। तब मां मुस्कान ने एक बच्चे को पानी की सिंटेक्स की टंकी में डुबोया और उसके बाद दूसरे बच्चे को भी डुबोकर मार दिया। इसके बाद मुस्कान ने आमिर को मोबाइल से बताया कि दोनों बच्चे मिल नहीं रहे है।

16 साक्षी पक्षविरोधी हुए: अभियोजन की ओर से लगभग 24 साक्षियों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। उसमे से लगभग 16 साक्षी पक्षविरोधी (hostile) हो गए थे। अभियोजन द्वारा आरोपियों द्वारा किए गए अपराध को परिस्थितिजन्य साक्ष्य के आधार पर दोषी साबित किया। मां मुस्कान को दोहरे आजीवन कारावास के साथ 10 हजार रुपए व पिता आमिर को 3-3 वर्ष का कारावास और 2 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया।

सागर में मोबाइल दुकान में लगी आग, लपटे उठीं, आगजनी में दुकान का सामान जला, शार्ट सर्किट से आग लगने की आशंका

मीडिया ऑडीटर,सागर (निप्र)। सागर के देवरी में शुक्रवार दोपहर मोबाइल एवं कम्प्यूटर की दुकान में आग लग गई। आग की लपटें और धुआं उठते देख आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। फायर फाइटर को सूचना दी। फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। जानकारी के अनुसार, सुनील पिता सुरेश साहू निवासी संजय नगर की दिव्या मोबाइल एवं कंप्यूटर के नाम से दुकान है। शुक्रवार दोपहर अचानक दुकान में आग लग गई। आग का धुआं देख आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पुलिस और फायर फाइटर की टीम पहुंची। कुछ देर की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। आगजनी में दुकान में रखे मोबाइल समेत अन्य कीमती सामान जला है। पुलिस और प्रशासन की टीम ने मौके पर पहुंचकर नुकसानी का पंचनामा बनाया है। नुकसान का आंकलन किया जा रहा है। प्राथमिक तौर पर शार्ट सर्किट से दुकान में आग लगना बताया जा रहा है। हालांकि पुलिस मामले में कारणों की जांच कर रही है।

पुलिस को रायसेन-विदिशा से चुराए 4 ट्रैक्टर्स मिले, इनमें 2 खुरई के, भोपाल और शिवपुरी के 3 युवक गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर,बीना (निप्र)। खुरई पुलिस ने शुक्रवार को ट्रैक्टर चोर गिरोह का खुलासा किया। पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों को पकड़ा है और उनके पास से चोरी के चार ट्रैक्टर और दो मोबाइल फोन जब्त किए है। इनकी कीमत करीब 21 लाख 20 हजार रुपए बताई जा रही है। खुरई एसडीओपी प्रवीण अष्ठाना ने बताया कि 25 जुलाई 2026 को अरविंद यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि उनके और उनके पड़ोसी वीरेंद्र यादव के दो स्वराज 735 ट्रैक्टर घर के सामने से गायब हो गए थे। शिकायत मिलते ही केस दर्ज कर पुलिस की एक खास टीम बनाई गई। सीसीटीवी और साइबर सेल की मदद से धरे गए चोर सीसीटीवी फुटेज, साइबर सेल की मदद और मुखबिर से मिली खबर के आधार पर पुलिस ने तीन आरोपियों को पकड़ा।

खरगोन में बारिश का कहर, उफान पर कुंदा-वेदा नदियां, सिरवेल महादेव झरने पर पर्यटकों की एंट्री बंद, शहर की जलापूर्ति प्रभावित

मीडिया ऑडीटर,खरगोन (निप्र)। खरगोन जिले में पिछले दो दिनों से हो रही रुक-रुककर तेज बारिश का असर अब साफ दिखाई देने लगा है। कुंदा, वेदा सहित पहाड़ी नदियां उफान पर हैं, जबकि सतपुड़ा क्षेत्र में स्थित प्रसिद्ध सिरवेल महादेव झरना विकराल रूप धारण कर चुका है। संभावित हादसों को देखते हुए प्रशासन ने पर्यटकों की आवाजाही पर रोक लगा दी है। वहीं, कुंदा नदी में आई बाढ़ के कारण शहर के कुछ हिस्सों में पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। 50 फीट ऊंचाई से गिर रहा पानी पीपलझोपा क्षेत्र स्थित सिरवेल महादेव मंदिर के सामने कुंदा नदी का पानी करीब 50 फीट की ऊंचाई से गिर रहा है। झरने का जलस्तर लगातार बढ़ने से प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर पर्यटकों की एंट्री पर प्रतिबंध लगा दिया है। श्रावण माह में यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं, इसलिए अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। पुलिस और पंचायत कर रही निगरानी भगवानपुरा थाना अंतर्गत पीपलझोपा चौकी पुलिस और ग्राम पंचायत के कोटवार लगातार क्षेत्र में निगरानी कर रहे हैं। लोगों से अपील की जा रही है कि वे झरने और उफनती नदियों के आसपास जाने से बचें तथा प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। 24 घंटे में औसतन 37 मिमी बारिश जिले में बीते 24 घंटों के दौरान औसतन 37 मिलीमीटर (करीब डेढ़ इंच) बारिश दर्ज की गई है।

रायसेन में मानसून की सुस्त चाल

पिछले साल के मुकाबले आधे से भी कम बारिश, खेती और जलस्रोतों पर संकट

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले में इस वर्ष मानसून की रफ्तार उम्मीद के मुताबिक नहीं रही है। जुलाई समाप्त होने के बावजूद जिले में पिछले वर्ष की तुलना में करीब 23.40 इंच कम बारिश दर्ज की गई है। कम वर्षा का सीधा असर खेती-किसानी पर दिखाई देने लगा है। खेतों में नमी की कमी से फसलें प्रभावित हो रही हैं, जबकि अधिकांश नदी-नाले अब भी सूखे या लगभग खाली पड़े हैं।

पिछले साल के मुकाबले आधे से भी कम बारिश: सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 1 जून से 31 जुलाई 2026 तक जिले में औसतन 438.64 मिलीमीटर (17.27 इंच) वर्षा दर्ज की गई है। वहीं, पिछले वर्ष इसी अवधि में 1033.10 मिलीमीटर (40.67 इंच) बारिश रिकॉर्ड की गई थी। यानी इस बार अब तक जिले में 594.46 मिलीमीटर (23.40 इंच) कम वर्षा हुई है।

खेती पर बढ़ा संकट: लगातार कम बारिश के कारण खेतों में कृषि कार्य प्रभावित हो रहे हैं। किसानों का कहना है कि समय पर पर्याप्त बारिश नहीं होने से खरीफ फसलों की वृद्धि प्रभावित हो रही है। यदि आने वाले दिनों में अच्छी बारिश नहीं हुई तो उत्पादन पर भी असर पड़ सकता है।

नदी-नालों में नहीं पहुंचा पर्याप्त पानी: जिले के अधिकांश नदी-नाले अब भी सूखे पड़े हैं या उनमें बहुत कम पानी है। जलस्रोतों में पर्याप्त पानी नहीं पहुंचने से सिंचाई और पेयजल की चिंता भी बढ़ने लगी है।

बदलते मौसम से बढ़ी परेशानी: रायसेन जिले में इन दिनों मौसम लगातार बदल रहा है। सुबह हल्की बारिश होती है, फिर तेज धूप निकल आती है और उसके बाद बादल छा जाते हैं। इस अस्थिर मौसम के कारण खेतों में पर्याप्त नमी नहीं बन पा रही है और किसान अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे हैं।

तहसीलवार वर्षा का आंकड़ा: जिले के वर्षामापी केंद्रों के अनुसार अब तक दर्ज वर्षा इस प्रकार है–

- रायसेन - 360.4 मिमी
- गैरतगंज - 559 मिमी
- बेगमगंज - 507.5 मिमी
- सिलवानी - 358.5 मिमी
- गौहरगंज - 436.2 मिमी
- बरेली - 382.8 मिमी
- उदयपुरा - 529 मिमी
- बाड़ी - 417 मिमी
- सुल्तानपुर - 452.7 मिमी
- देवरी - 383.3 मिमी

किसानों की नजर अब अगस्त की बारिश पर: कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि खरीफ फसलों के लिए अगस्त का महीना बेहद महत्वपूर्ण होता है। यदि इस दौरान अच्छी बारिश होती है तो फसलों को काफी हद तक राहत मिल सकती है।

खंडवा में स्पीड ब्रेकर से उछलकर गिरा नवविवाहित युवक, ससुराल से लौटते समय हादसा, गंभीर घायल युवक ने इंदौर ले जाते दम तोड़ा

मीडिया ऑडीटर,खंडवा (निप्र)। खंडवा में बाइक सवार 21 वर्षीय युवक स्पीड ब्रेकर से उछलकर जमीन पर गिरने से मौत हो गई। हाथ-पैर और सिर में चोटे होने से वह लहुलुहान हो गया था। गंभीर हालत में उसे इलाज के लिए इंदौर ले जाया जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। इसी साल युवक की शादी हुई थी। जानकारी के मुताबिक, पुनासा क्षेत्र के ग्राम बांगरदा का रहने वाला अंकित पिता जयनारायण (21) गुरुवार रात को अपनी ससुराल ग्राम फिफराड़ से लौट रहा था। बताते कि ससुराल में उसके एक साले की महाशष्ट्र की पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट होने से मौत हो गई थी। वह अंतिम संस्कार के कार्यक्रम में पत्नी को लेकर गया था। लेकिन वापसी के दौरान पत्नी वहीं रुक गई। अंकित अपनी बाइक से अकेला ही अपने घर ग्राम बांगरदा आ रहा था। स्पीड ब्रेकर से उछला, इलाज के दौरान मौत बाइक सवार अंकित राजपूत रात के समय ससुराल से लौटते वक्त पुनासा-सनावद हाईवे पर एक स्पीड ब्रेकर से उछलकर गिर गया। गुरुवार को हुए हादसे के बाद गंभीर हालत में उसे मूंदी के स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया। जहां से उसे खंडवा जिला अस्पताल रेफर किया गया। शुक्रवार दोपहर को डॉक्टरों ने उसे इंदौर रेफर कर दिया। लेकिन रास्ते में ही अंकित ने दम तोड़ दिया।

33-साल में 5वीं-बार सावन में सोमवार को नागपंचमी का संयोग

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। भोलेनाथ की आराधना का सबसे पवित्र महीना सावन (श्रावण मास) इस बार शिवभक्तों के लिए कई मायनों में बेहद खास और दुर्लभ महासंयोग लेकर आ रहा है। मालवा-निमाड़ सहित उत्तर भारत में इस साल सावन का महीना 30 जुलाई (गुरुवार) से शुरू हो गया है, जो 28 अगस्त (शुक्रवार) यानी रक्षाबंधन के दिन तक रहेगा। ज्योतिषीय गणना के अनुसार, इस साल सावन पूरे 30 दिन का होगा, जिसमें भक्तों को व्रत और पूजा-अर्चना के लिए 4 सोमवार मिलेंगे। इस पूरे माह शिव योग और सर्वार्थ सिद्धि योग का विशेष प्रभाव रहेगा। ज्योतिषाचार्य पंडित गणेश शर्मा ने बताया कि इस बार सावन का तीसरा सोमवार (17 अगस्त) सबसे खास रहेगा, क्योंकि इसी दिन नागपंचमी का पर्व भी मनाया जाएगा। 4 सोमवार वाले सावन मास में नागपंचमी का सोमवार के दिन आना दुर्लभ ज्योतिषीय संयोग है।

पिछले तीन दशक (33 वर्षों) के पंचांग को देखें तो सामान्य 4 सोमवार वाले सावन में ऐसा महासंयोग पांचवीं बार बन रहा है। इससे पहले वर्ष 1996, 1999, 2012 और 2019 में ऐसा संयोग बन चुका है। 2023 का सावन था अपवाद : साल 2023 में भी नागपंचमी सोमवार को आई थी, लेकिन वह सावन सामान्य नहीं था। अधिकमास (मलमास) के कारण 2023 में सावन का महीना पूरे 59 दिनों का था और उसमें 8 सोमवार पड़े थे। तब नागपंचमी सातवें सोमवार को आई थी।

कालसर्प दोष निवारण का संजीवनी महायोग: मान्यता है कि सोमवार भगवान शिव को समर्पित है और नाग देवता उनके गले का आभूषण हैं। नागपंचमी और तीसरे सोमवार के इस त्रि-संयोग (सोमवार, नागपंचमी व सर्वार्थ सिद्धि योग) को शास्त्रों में अक्षय और संजीवनी महायोग माना गया है।

जिन लोगों की कुंडली में कालसर्प दोष, मांगलिक दोष या राहु-केतु की अशुभ दशा है, वे इस दिन शिव मंदिर जाकर शिवलिंग पर चांदी के नाग-नागिन का जोड़ा और नाग देवता को दूध अर्पित करें और महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें।

बुरहानपुर में बारिश से जलस्तर बढ़ा, प्रशासन सतर्क

संवेदनशील क्षेत्रों में 24 घंटे निगरानी के निर्देश, बारिश का अलर्ट

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण ताप्ती नदी और अन्य जलस्रोतों का जलस्तर बढ़ गया है। इसे देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। शुक्रवार को कलेक्टर हर्ष सिंह और पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी ने शहर तथा आसपास के संवेदनशील जलभराव वाले क्षेत्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने रेणुका झील पहुंचकर उसके जलस्तर, निकासी और बहाव की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने राजघाट पर भी जलस्तर का निरीक्षण किया और मौके पर तैनात पुलिस बल से सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। कलेक्टर सिंह ने सभी जलभराव वाले क्षेत्रों में 24 घंटे निगरानी रखने और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने नगरीय क्षेत्र में जल निकासी और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में नगर निगम आयुक्त संदीप श्रीवास्तव से जानकारी ली और कार्रवाई के निर्देश दिए। अधिकारियों ने हतनूर पुल का भी निरीक्षण कर जलभराव की स्थिति का जायजा लिया तथा तत्काल सुरक्षा उपाय लागू करने के निर्देश दिए। ताप्ती नदी में बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने नदी तटों और घाटों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश जारी किए हैं। सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए पुलिस और होमगार्ड के जवान तैनात किए गए हैं। नागझिरी घाट, पीपल घाट, राजघाट और हतनूर सहित जिले के सभी प्रमुख घाटों तथा संभावित जलभराव वाले स्थलों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। आपदा की स्थिति से निपटने के लिए प्रशिक्षित आपदा मित्र भी सक्रिय और तैयार हैं। जिले में लगातार हो रही वर्षा के मद्देनजर अधिकारी मैदानी स्तर पर लगातार भ्रमण कर स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। जिला प्रशासन हर परिस्थिति पर सतत नजर बनाए हुए है। जिला प्रशासन ने अपील की है कि जलभराव वाले क्षेत्रों, नदी नालों के समीप न जाएं। उफनते हुए नदी, नालों को पार करने का प्रयास न करें। प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पूर्णतः पालन करें। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए जिला कंट्रोल रूम के माध्यम से सतत मॉनिटरिंग, समन्वय किया जा रहा है।

बैंककर्मी बनकर साइबर ठग ने किसान से कराई केवाईसी

2 माह में दो बार में उड़ाएं 1.41 लाख रुपए, दो थानों में फ्रॉड के केस दर्ज

मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले में साइबर ठगी के दो अलग-अलग मामलों में ठगों ने किसान और मजदूर को अपना निशाना बनाकर कुल 1.41 लाख रुपये की ठगी कर ली। एक मामले में आरोपी ने खुद को रिश्तेदार बताकर बारकोड के जरिए पैसे ऐंठ लिए, जबकि दूसरे मामले में बैंक कर्मचारी बनकर चढ़ाव्हट के नाम पर क्रेडिट कार्ड से रकम निकाल ली। साइबर सेल की जांच के बाद दोनों मामलों में संबंधित थानों में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

रिश्तेदार बनकर 58 हजार रुपए की ठगी: पहला मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के आनंदनगर का है। फरियादी महेश सोनेले ने बताया कि वह एक निजी दुकान पर काम करता है। बीमार भाई के इलाज के लिए उसने 48 हजार रुपये जमा किए थे और 10 हजार रुपये उधार लिए थे।

5 जुलाई की रात करीब 11 बजे एक व्यक्ति ने खुद को उनका रिश्तेदार 'शुक्ला जी' बताते हुए फोन किया और कहा कि गलती से उनके खाते में 58 हजार रुपये ट्रांसफर हो गए हैं। उसने एक बारकोड भेजकर रकम वापस भेजने को कहा। महेश ने बारकोड स्कैन कर पैसे भेज दिए। अगले दिन बैंक जाने पर पता चला कि वह साइबर ठगी का शिकार हो चुके हैं।

● KYC के नाम पर क्रेडिट कार्ड से निकाली रकम

दूसरा मामला माखननगर थाना क्षेत्र के तालकेशरी गांव का है। फरियादी किसान कौशिक हल्दार ने बताया कि उन्होंने मई 2026 में बैंक से क्रेडिट कार्ड बनवाया था। 20 मई को एक कॉल आई, जिसमें खुद को बैंक कर्मचारी बताकर KYC अपडेट करने के नाम पर दस्तावेज और OTP मांगा गया। जानकारी देने के कुछ ही देर बाद उनके खाते से 20 हजार रुपये कट गए। इसके बाद उन्होंने बैंक से क्रेडिट कार्ड ब्लॉक करा दिया। बावजूद इसके 23 जुलाई को फिर 22 हजार और 40 हजार रुपये कटने के मैसेज मिले। शिकायत के बाद साइबर सेल की जांच में ठगी की पुष्टि होने पर शुक्रवार रात एफआईआर दर्ज की गई।

● साइबर सेल ने दी सतर्क रहने की सलाह:

साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक प्रवीण मालवीय ने बताया कि साइबर ठग लगातार नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी अनजान नंबर से आने वाली कॉल, व्हाट्सएप ऑडियो या वीडियो कॉल पर भरोसा न करें। किसी भी APK लिंक को डाउनलोड न करें और OTP, बैंकिंग जानकारी या दस्तावेज किसी के साथ साझा न करें।

खंडवा के कुएं में मिला सातवीं के छात्र का शव

दोस्त बोले, साथ नहाने गए थे, डर के कारण नहीं बताया, दो बहनों में इकलौता भाई था

मीडिया ऑडीटर,खंडवा (निप्र)। खंडवा जिले के मूंदी थाना क्षेत्र में दो दिन से लापता 7वीं कक्षा के छात्र का शव शुक्रवार को गांव के एक कुएं से बरामद हुआ। छात्र के दोस्तों ने खुलासा किया कि वह उनके साथ कुएं पर नहाने गया था और इसी दौरान डूब गया।

डर के कारण उन्होंने यह बात किसी को नहीं बताई। दोस्तों की जानकारी के बाद ग्रामीणों ने कुएं का पानी निकालकर करीब दो घंटे तक रेस्क्यू चलाया, जिसके बाद छात्र का शव बाहर निकाला गया।

घटना मूंदी थाना क्षेत्र के ग्राम गुलगांव रैयत (सकरीदेर) की है। मृतक की पहचान 13 वर्षीय कान्हा पिता शैतानसिंह के रूप में हुई है। कान्हा पिछले दो दिनों से लापता था। परिजन, ग्रामीण और पुलिस लगातार उसकी तलाश कर रहे थे, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल रहा था।

दो दिन बाद उसके साथियों ने बताया कि कान्हा उनके साथ गांव के कुएं पर नहाने गया था। नहाने के दौरान वह गहरे पानी में डूब गया। डर के कारण उन्होंने घटना की जानकारी किसी को नहीं दी।

जानकारी मिलते ही ग्रामीणों ने मोटर पंप लगाकर कुएं का पानी निकालना शुरू किया। पानी कम होने पर रस्सियों के सहारे ग्रामीण कुएं में उतरे और करीब दो घंटे के रेस्क्यू के बाद छात्र का शव बाहर निकाला। पुलिस की मौजूदगी में शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए मूंदी अस्पताल भेजा गया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

दो बहनों का इकलौता भाई था कान्हा: कान्हा की मौत से पूरे गांव में शोक का माहौल है। उसके पिता शैतानसिंह छोटे किसान हैं और परिवार का गुजारा चलाने के लिए मूंदी में कटलरी की दुकान भी लगाते हैं। बेहतर शिक्षा के लिए, उन्होंने कान्हा का दाखिला मूंदी के एक निजी स्कूल में कराया था। वह रोज पिता के साथ गांव से स्कूल आता-जाता था। परिवार में कान्हा से बड़ी दो बहनें हैं। दो बेटियों के बाद जन्मे इकलौते बेटे को परिवार ने मन्नतों के बाद पाया था।

मेंस जैवलिन थ्रो में डबल धमाल

● नीरज ने जीता सिल्वर, यशवीर के नाम ब्रॉन्ज

ग्लासगो एजेंसी। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शुक्रवार देर रात (भारतीय समय के अनुसार) मेंस जैवलिन थ्रो इवेंट में देश को दो मेडल हाथ लगे। नीरज चोपड़ा ने (85.83 मीटर) ने सिल्वर जीता, जबकि यशवीर सिंह (85.41) ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। श्रीलंका के रुमेश थरंगा पथिराज (89.75 मीटर) ने खिताब अपने नाम किया। ओलंपिक मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने अपने पहले प्रयास में 80.97 की दूरी तय की। इसके बाद उन्होंने 85.83 मीटर की दूरी तय करते हुए सीजन का सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया। तीसरे और चौथे प्रयास में नीरज ने क्रमशः 81.29 मीटर और 80.73 मीटर की दूरी तय की। गोल्ड मेडल विजेता रुमेश थरंगा पथिराज ने 89.75 मीटर की दूरी तय करते हुए पहला स्थान हासिल किया। वहीं, यशवीर सिंह ने अपने दूसरे प्रयास में 78.55 मीटर दूरी का थ्रो किया। इसके बाद अगले प्रयास में 81.33 मीटर की दूरी तय की। उन्होंने पांचवें प्रयास में 76.95 मीटर थ्रो किया, लेकिन अंतिम प्रयास में 85.41 मीटर का थ्रो उनके लिए गेम चेंजर साबित हुआ। यह उनका पर्सनल बेस्ट भी था। इनके अलावा, रोहित यादव 81.56 मीटर की दूरी के साथ सातवें पायदान पर रहे। उन्होंने पहले प्रयास में 77.50 मीटर की दूरी तय की, जिसके बाद अगले प्रयास में 81.56 दूरी तय की। उन्होंने चौथे प्रयास में 73.70 मीटर और छठे प्रयास में 79.55 मीटर की दूरी हासिल की। इसी के साथ भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में कुल 23 मेडल हासिल कर लिए हैं, जिसमें 5 गोल्ड, 12 सिल्वर और 6 ब्रॉन्ज मेडल हैं। देश ने एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स में कुल 11 मेडल जीते। इसके अलावा जूडो में 2 गोल्ड के साथ कुल 3 पदक हासिल किए। वेटलिफ्टिंग में देश के नाम 8 मेडल हैं, जबकि पैरा पावरलिफ्टिंग में 1 ब्रॉन्ज मेडल हाथ लगा है। भारत फिलहाल मेडल टैली में 10वें पायदान पर है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया कुल 128 मेडल (55 गोल्ड, 30 सिल्वर 43 ब्रॉन्ज) के साथ शीर्ष पर है।

इंग्लैंड कुल 80 मेडल के साथ दूसरे और कनाडा कुल 53 मेडल के साथ तीसरे स्थान पर मौजूद है।

मुक्केबाज लवलीना, सचिन, साक्षी और प्रिया ने बनाई फाइनल में जगह

नरेंद्र का भी सिल्वर पक्का

ग्लासगो एजेंसी। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के 9वें दिन भी भारतीय मुक्केबाजों का दबदबा जारी रहा। ओलंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट लवलीना बोरगोहेन के साथ-साथ साक्षी और प्रिया ने अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीते और फाइनल के लिए क्वालिफाई किया, जिससे देश के लिए कम से कम तीन और सिल्वर मेडल पक्के हो गए। सभी 10 भारतीय बॉक्सर अपनी-अपनी वेट कैटेगरी में फाइनल तक पहुंचने में सफल रहे हैं। प्रीति (54 किग्रा), अंकुश फंगल (80 किग्रा), जैस्मिन (57 किग्रा), अरुंधति (70 किग्रा) और जादुमनी सिंह (55 किग्रा) अन्य भारतीय बॉक्सर हैं जिन्होंने अपने-अपने वेट डिवीजन में फाइनल का टिकट हासिल किया है। शुक्रवार को लवलीना रिंग में उतरने वाली सबसे बड़ी भारतीय स्टार थीं। उन्होंने अपनी प्रतिष्ठा के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए तुवालु की तारोना खानुम बादी पासोनी ताफाकी को 5-0 से हराया और फाइनल में अपनी जगह पक्की की। टोक्यो ओलंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट और नई दिल्ली में 2023 वर्ल्ड चैंपियनशिप की गोल्ड मेडलिस्ट लवलीना को पहले राउंड में 'बाई' मिला था। वह बिना रिंग में उतरे ही सेमीफाइनल में पहुंच गई थीं। मेडल पक्का होने के बाद, असम की 28 वर्षीय बॉक्सर ने शानदार जीत के साथ फाइनल में प्रवेश किया। वहीं, साक्षी ने भी महिलाओं के 51 किग्रा वर्ग में कनाडा की एम्बर-जेन वॉल को सर्वसम्मत फैसले में 5-0 से हराया। साक्षी ने मुकाबले में दबदबा बनाए रखा और अपनी प्रतिद्वंद्वी को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। सभी पांच जजों ने उन्हें स्पष्ट विजेता घोषित किया। पांच जजों ने स्कोर 30-27, 30-26, 30-27, 30-27 और 30-25 दिया, जिससे साबित हुआ कि भारतीय बॉक्सर को तीनों राउंड में स्पष्ट बढ़त हासिल थी। इसके बाद प्रिया ने महिलाओं के 60 किग्रा वर्ग में इंग्लैंड की एल. किंग्स-व्हीटली को सेमीफाइनल में 5-0 से हराकर भारत के लिए कम से कम सिल्वर मेडल पक्का किया। सचिन (60 किग्रा) ने हैरिस-एलन (वेल्स) को 5-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई और बॉक्सिंग में सेमीफाइनल के दिन भारत का 100 प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड बरकरार रखा। दिन के एक अहम नतीजे में, अरुंधति ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 की गोल्ड मेडलिस्ट आर. एक्लेस को चौंकाते हुए फाइनल में प्रवेश किया। नरेंद्र बेरवाल ने भी 90 किलोग्राम वर्ग में त्रिनिदाद और टोबैगो के मुक्केबाज नाइजेल पॉल को 5-0 से हराते हुए फाइनल का टिकट हासिल कर लिया है।

एक दिन में छह मेडल जीतकर भी 10वें स्थान पर भारत

● ऑस्ट्रेलिया की बादशाहत बरकरार

नई दिल्ली एजेंसी। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के लिए 9वां दिन यादगार रहा। जूडो में भारत ने इतिहास रचते हुए पहली बार दो गोल्ड समेत तीन मेडल अपने नाम किए। वहीं, जैवलिन थ्रो में नीरज चोपड़ा ने सिल्वर और यशवीर सिंह ने ब्रॉन्ज जीता। वहीं, डेकाथलॉन में तेजस्विन शंकर ने ऐतिहासिक ब्रॉन्ज मेडल जीता। हालांकि, एक ही दिन में 2 गोल्ड समेत कुल 6 मेडल जीतने के बावजूद भारत की मेडल टैली में पोजीशन नहीं बदली है। भारत कुल 23 मेडल के साथ 10वें नंबर पर काबिज है। ऑस्ट्रेलिया मेडल टैली में अपनी बादशाहत 9वें दिन भी बरकरार रखने में सफल रहा। ऑस्ट्रेलिया के कुल मेडल की संख्या 128 हो चुकी है, जिसमें 55 गोल्ड, 30 सिल्वर और 43 ब्रॉन्ज शामिल हैं। इंग्लैंड 17 गोल्ड, 34 सिल्वर और 29 ब्रॉन्ज मेडल के साथ दूसरे स्थान पर बना हुआ है। वहीं, कनाडा 17 गोल्ड समेत कुल 53 मेडल जीतकर तीसरे नंबर पर काबिज है। मेजबान स्कॉटलैंड चौथे नंबर पर बरकरार है। स्कॉटलैंड अब तक 10 गोल्ड, 8 सिल्वर और 16 ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम कर चुका है। नाइजीरिया 9 गोल्ड के साथ कुल 18 मेडल जीतकर मेडल टैली में पांचवें नंबर पर मौजूद है।

तेजस्विन शंकर ने पुरुषों की डेकाथलॉन स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल के साथ इतिहास

ग्लासगो एजेंसी। तेजस्विन शंकर ने शुक्रवार देर रात (भारतीय समय के अनुसार) कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुषों के 'डेकाथलॉन' में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है। हाई जंपर से डेकाथलीट बने तेजस्विन शंकर कॉमनवेल्थ गेम्स में दो अलग-अलग इवेंट्स में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए हैं। इससे पहले, उन्होंने बर्मिंघम में 2022 एडिशन में पुरुषों की हाई जंप में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। 8,000-प्वाइंट्स का आंकड़ा पार करने वाले पहले भारतीय डेकाथलीट तेजस्विन ने ग्लासगो में 'ट्रैक एंड फील्ड' कॉम्पिटिशन के सबसे मुश्किल इवेंट में 7,976 प्वाइंट्स के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। हेप्टाथलॉन और डेकाथलॉन दोनों में मौजूदा एशियन चैंपियन तेजस्विन, ग्रेनाडा के विक्टर लिंडन से पीछे रहे, जिन्होंने सीजन के बेस्ट 8096 प्वाइंट्स हासिल किए, जबकि कनाडा के डेमियन वार्नर ने 8036 प्वाइंट्स के साथ सिल्वर मेडल जीता। कई दिनों तक चले इस कॉम्पिटिशन में, 27 वर्षीय तेजस्विन 100 मीटर रेस में 10.96 सेकंड (870 प्वाइंट्स) के समय के साथ 7वें स्थान पर रहे। उन्होंने लॉन्ग जंप में 7.82 मीटर की दूरी तय करके 1015 प्वाइंट्स हासिल किए और ओवरऑल स्टैंडिंग में तीसरे स्थान पर आ गए।तेजस्विन ने शॉट पुट में 673 प्वाइंट्स हासिल किए, हाई जंप में 2.15 मीटर की ऊंचाई तक पहुंचकर 944 प्वाइंट्स पाए और 400 मीटर रेस में पांचवें स्थान पर रहकर 837 प्वाइंट्स हासिल किए। इस तरह पांच इवेंट्स के बाद उनका कुल स्कोर 4339 प्वाइंट्स हो गया और वे स्टैंडिंग में दूसरे स्थान पर आ गए थे। तेजस्विन को 110 मीटर हर्डल्स में 922 प्वाइंट्स, डिस्कस थ्रो में 674 प्वाइंट्स और पोल वॉल्ट में 704 प्वाइंट्स मिले, जिसके बाद वे ओवरऑल स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर खिसक गए। जैवलिन थ्रो में अच्छे प्रदर्शन ने उन्हें फिर से मेडल की दौड़ में शामिल किया और वे तीसरे स्थान पर पहुंच गए। 1,500 मीटर रेस में 704 प्वाइंट्स हासिल करके उन्होंने अपना मेडल सुनिश्चित किया और कुल 7976 प्वाइंट्स बनाए। तेजस्विन डेकाथलॉन में भारतीय राष्ट्रीय रिकॉर्ड होल्डर हैं और कंसास स्टेट यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएट हैं, जहां उन्होंने हाई जंप में दो एनसीएए डिवीजन-वन खिताब जीते। अपने करियर के दौरान, उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हाई जंप और कंबाइंड इवेंट्स, दोनों में सफलतापूर्वक हिस्सा लिया है। साल 2018 में 2.29 मीटर का भारतीय रिकॉर्ड बनाने के बाद तेजस्विन को हाई जंप में पहचान मिली। 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने ब्रॉन्ज मेडल जीता और ऐसा करने वाले वे पहले भारतीय पुरुष हाई जंपर बने। बाद में, उन्होंने अपना फोकस कंबाइंड इवेंट्स पर किया और 2022 एशियन गेम्स में डेकाथलॉन में सिल्वर मेडल जीता।

फिटनेस क्लीयरेंस के बावजूद क्या श्रीलंका दौरे से बाहर रहेंगे बुमराह

नई दिल्ली एजेंसी। भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की फिटनेस पर सबकी नजरें टिकी हुई हैं। श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम में चुने जाने के बावजूद उनके खेलने को लेकर अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है। भारतीय टीम प्रबंधन और चयनकर्ता बुमराह की वापसी को लेकर कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहते और उनकी फिटनेस पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

● **बुमराह को लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहता टीम मैनेजमेंट-** टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक बुमराह के बाएं घुटने में कोई गंभीर समस्या नहीं है, लेकिन आगामी व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम को देखते हुए चयनकर्ता और सपोर्ट स्टाफ उनके वर्कलोड को लेकर बेहद सतर्क हैं। टीम मैनेजमेंट किसी भी तरह का जोखिम उठाने के मूड में नहीं है।

● **CoE में जारी है फिटनेस आकलन-** रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने बुमराह को इंजेक्शन लेने की सलाह दी थी, जिसके बाद उन्हें 8-10 दिन आराम करने को कहा गया। आराम की अवधि पूरी होने के बाद वह बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) पहुंचे, जहां उनकी फिटनेस का आकलन जारी है। हालांकि, बुमराह ने अभी तक पूरी रफ्तार से गेंदबाजी शुरू नहीं की है।

तन्वी शर्मा ने कटाया फाइनल का टिकट

सेमीफाइनल में हुआंग यू-हसुन को हराया

ताइपे एजेंसी। तन्वी शर्मा ने ताइपे बैडमिंटन ओपन 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए महिला सिंगल्स के फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने एकतरफा गेम में जीत हासिल की और बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 टूर्नामेंट में भारत के खिताब जीतने की उम्मीदों को जिंदा रखा है। शनिवार को ताइपे एरिना में दुनिया की 34वें नंबर की खिलाड़ी ने पांचवीं वरीयता प्राप्त हुआंग यू-हसुन को 21-17, 21-11 से हराया। उन्होंने सिर्फ 33 मिनट में जीत हासिल की और रविवार को वियतनाम की गुयेन थुई लिन्ह के खिलाफ होने वाले फाइनल मैच में अपनी जगह पक्की की।

क्वार्टर फाइनल में तन्वी ने थाईलैंड की चौथी वरीयता प्राप्त सुपनिडा काटेथोंग के खिलाफ मैच में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए तीन गेम में जीत हासिल की थी। हालांकि, सेमीफाइनल में तन्वी पूरी तरह से नियंत्रण में नजर आई और उन्होंने यू-हसुन को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। पिछले दो वर्षों में तन्वी का प्रदर्शन लाजवाब रहा है।

बल्लेबाज आशुतोष शर्मा का गेंद से धमाका

● 5 विकेट लेकर हैम्पशायर को दिलाई रोमांचक जीत

बर्मिंघम:एजेंसी। आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स (DC) के लिए खेलने वाले स्टार बल्लेबाज आशुतोष शर्मा ने इंग्लैंड के वन-डे कप में अपनी गेंदबाजी से सबको चौंका दिया। हैम्पशायर की ओर से खेलते हुए उन्होंने एसेक्स के खिलाफ शानदार 5 विकेट झटककर टीम की तीन विकेट से रोमांचक जीत में अहम भूमिका निभाई।गेंद से मचाया तहलका चेल्म्सफोर्ड के काउंटी ग्राउंड में खेले गए मुकाबले में एसेक्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। इसके बाद निक गब्बिन्स (53), फ्लेचा मिडलटन (47) और टॉम प्रेस्ट (51) ने पारी संभाली। जेम्स फुलर ने 31 गेंदों में 58 रन की विस्फोटक पारी खेली, जबकि एंड्रयू नील ने 24 गेंदों में 33 रन बनाकर उनका साथ दिया। दोनों की साझेदारी के दम पर हैम्पशायर ने मुकाबला तीन विकेट से अपने नाम कर लिया।

● **बल्ले से नहीं चला जादू-** आशुतोष शर्मा ने गेंद से तो कमाल दिखाया, लेकिन बल्लेबाजी में बड़ी पारी नहीं खेल सके। लक्ष्य का पीछा करते हुए उन्होंने 16 रन बनाए, हालांकि उनकी गेंदबाजी ही टीम की जीत की सबसे बड़ी वजह रही। भारतीय ऑलराउंडर आशुतोष शर्मा ने इंग्लैंड में अपनी गेंदबाजी से कहर बरपाकर हैंपशर को एसेक्स के खिलाफ वनडे कप के मुकाबले में तीन विकेट से रोमांचक जीत दि?ला दी.पहले बैटिंग करने उतरली एसेक्स को आशुतोष ने 50 ओवर भी पूरे खेलने नहीं दि?या और 49 ओवर में 317 पर ढेर कर दिया. एसेक्स की तरफ से नोआ थैन ने सबसे ज्यादा 109 रन बनाए. उनके अलावा ग्रांट रोलोफसेन ने 52 रन बनाए.आशुतोष ने कप्तान टॉम वेस्टली चार्ली एलीसन, साइमन फर्नांडीस, मैकेंजी जोंस और चार्ली बेनेट का शिकार किया. आशुतोष का यह लिस्ट करियर का पहला फाइफर है.318 रन के लक्ष्य के जवाब में उतरी हैंपशर ने 47.4 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर जीत हासिल कर ली. हैंपशर की शुरुआत काफी खराब रही और पहले ओवर में ही अली उर के रूप में टीम को जीरो के स्कोर पर पहला झटका लग गया।

सलामी बल्लेबाज नोआ थैन ने 96 गेंदों में 109 रन की शानदार पारी खेली, जबकि मैट क्रिचली (43) और ग्रांट रोएलोफसन (52) की पारियों की बदौलत टीम ने 50 ओवर में 317 रन बनाए। हालांकि, इस बड़े स्कोर के बावजूद आशुतोष शर्मा ने अपनी गेंदबाजी से मैच का रुख बदल दिया। उन्होंने 10 ओवर में 51 रन देकर 5 विकेट लिए। बल्लेबाज के रूप में पहचान रखने वाले आशुतोष का यह प्रदर्शन सभी के लिए बड़ा सरप्राइज रहा।

अश्विन ने चुनी भारत की संभावित टीम

रोहित-विराट समेत इन खिलाड़ियों पर जताया भरोसा

नई दिल्ली एजेंसी। भारत के दिग्गज ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए अपनी पसंदीदा भारतीय टीम का ऐलान किया है। अश्विन ने अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा जताते हुए रोहित शर्मा, विराट कोहली और शुभमन गिल को टीम का अहम हिस्सा बताया। वहीं उन्होंने चौंकाने वाला फैसला लेते हुए भुवनेश्वर कुमार की वापसी की वकालत की, जबकि ऋषभ पंत और वॉशिंगटन सुंदर को अपनी टीम में जगह नहीं दी।

अश्विन ने चुनी अपनी ODI World Cup 2027 टीम ESPN क्रिकइन्फो के यूट्यूब चैनल पर बातचीत के दौरान रविचंद्रन अश्विन ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए अपनी संभावित भारतीय टीम चुनी। उन्होंने बल्लेबाजी क्रम में रोहित शर्मा,

● **रोहित-विराट पर जताया पूरा भरोसा-** अश्विन का मानना है कि 2027 वर्ल्ड कप में भी रोहित शर्मा और विराट कोहली भारतीय टीम की बल्लेबाजी की रीढ़ बने रह सकते हैं। उन्होंने दोनों दिग्गजों के अनुभव को टीम के लिए बेहद अहम बताया और कहा कि बड़े टूर्नामेंट में उनका योगदान निर्णायक साबित हो सकता है।

● **भुवनेश्वर कुमार की वापसी कीवकालत-** अश्विन का सबसे बड़ा चौंकाने वाला फैसला भुवनेश्वर कुमार को अपनी टीम में शामिल करना रहा। उनका मानना है कि दक्षिण अफ्रीका की परिस्थितियों में भुवनेश्वर का अनुभव भारत के लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकता है। 36 वर्षीय भुवनेश्वर ने हाल के समय में अपनी गेंदबाजी में कई बदलाव किए हैं।

बस्तर के प्रतिनिधियों ने देखा राष्ट्रपति भवन, बस्तर की संस्कृति का हुआ भव्य सम्मान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राष्ट्रपति भवन में बस्तर के प्रतिनिधिमंडल के लिए एक अविस्मरणीय और ऐतिहासिक क्षण साकार हुआ। महामहिम राष्ट्रपति मती द्रौपदी मुर्मु ने बस्तर से पहुंचे परगना मांझियों, चालकियों, बस्तर पंडुम के जनजातीय कलाकारों तथा समाज प्रतिनिधियों का आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने सभी अतिथियों का शॉल एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मान किया और बस्तर की समृद्ध जनजातीय परंपरा एवं संस्कृति के प्रति अपना विशेष स्नेह व्यक्त किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा तथा संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन और पहल से आयोजित इस विशेष यात्रा ने बस्तर के जनजातीय समाज को देश के सर्वोच्च संवैधानिक संस्थान से सीधे जुड़ने का अवसर प्रदान किया। राष्ट्रपति भवन में बस्तर की संस्कृति का जो सम्मान हुआ, उसने प्रतिनिधिमंडल के प्रत्येक सदस्य को गौरव और आत्मविश्वास से भर दिया। प्रतिनिधिमंडल के लिए सबसे भावुक और प्रेरणादायी क्षण उस समय आया, जब राष्ट्रपति महोदया ने एक आत्मीय मेजबान की भूमिका निभाते हुए स्वयं अपने हाथों से सभी अतिथियों को भोजन परोसा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रतिनिधियों को दाल परोसी, जबकि उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने सभी को मिठाई परोसकर उनका स्वागत-सत्कार किया। राष्ट्रपति भवन में आत्मीयता और अपनत्व से भरे इस दृश्य ने पूरे प्रतिनिधिमंडल को भावविभोर कर दिया। बस्तर से आए जनजातीय प्रतिनिधियों ने इसे अपने जीवन का अविस्मरणीय अनुभव बताया। राष्ट्रपति भवन में गूंजा बस्तर का पारंपरिक लोकगीत और लोकनृत्य इस अवसर पर एक और ऐतिहासिक पल तब आया, जब बस्तर पंडुम के विजेता कलाकारों ने राष्ट्रपति भवन परिसर में अपनी पारंपरिक लोकगीत और लोकनृत्य की प्रस्तुति दी। बस्तर की लोक संस्कृति, वेशभूषा और पारंपरिक कला का यह अनुपम प्रदर्शन उपस्थित सभी लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना और राष्ट्रपति भवन पहली बार बस्तर की सांस्कृतिक रंगत से सराबोर हो उठा। माहौल ऐसा हुआ कि उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा सहित बस्तर कमिश्नर डोमन सिंह, पूर्व बस्तर आई जी सुंदरराज पी और सभी अधिकारी भी लोकनृत्य में झूमने लगे।

बस्तर के कायाकल्प की योजना लेकर प्रधानमंत्री से मिले सीएम साय

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शुक्रवार को संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर राज्य के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बस्तर के समग्र विकास का रोडमैप प्रधानमंत्री के सामने रखा और राज्य की कई प्रमुख परियोजनाओं के लिए केंद्र सरकार से सहयोग का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से तीन प्रमुख विषयों पर विशेष सहयोग मांगा। पहला, राजनांदगांव में प्रस्तावित 10,500 करोड़ रुपये की गैस आधारित यूरिया परियोजना को शीघ्र मंजूरी दी जाए। उन्होंने बताया कि इसके लिए भूमि उपलब्ध करा दी गई है और राज्य सरकार की सभी आवश्यक स्वीकृतियां भी पूरी हो चुकी हैं। परियोजना शुरू होने से किसानों को बड़ी सुविधा मिलेगी और औद्योगिक विकास को भी गति मिलेगी। दूसरा, जिन 461 गांवों में पहले सुरक्षा कारणों से बिजली का ग्रिड नहीं पहुंच पाया था और जहां फिलहाल ऑफ-ग्रिड बिजली व्यवस्था है, उन्हें स्थायी ग्रिड से जोड़ने के लिए केंद्र सरकार से विशेष सहायता देने का आग्रह किया गया। तीसरा, मुख्यमंत्री ने रायपुर अथवा बस्तर में ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद (एम्स) की स्थापना के प्रस्ताव पर सकारात्मक पहल करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को 'बस्तर विजन' की जानकारी देते हुए बताया कि बस्तर अब तेज़ी से बदल रहा है। 'नियद नेल्ला नार 2.0' और 'बस्तर मुहिम' के माध्यम से बस्तर संभाग के 5,542 गांवों में सरकारी योजनाओं का व्यापक क्रियान्वयन किया जा रहा है, जिससे लगभग 39 लाख लोग लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब राशन, आयुष्मान भारत, जनधन, वनाधिकार और प्रधानमंत्री आवास जैसी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री ने शिक्षा के क्षेत्र में हुए बदलावों की जानकारी देते हुए बताया कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बंद पड़े 421 स्कूलों को दोबारा शुरू किया गया है। साथ ही दंतेवाड़ा की तर्ज पर ओरछा और जगरगुंडा में नई एजुकेशन सिटी विकसित की जा रही है, ताकि दूरदराज़ के बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सके। स्वास्थ्य क्षेत्र में मुख्यमंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के तहत अब तक 34 लाख से अधिक लोगों की स्वास्थ्य जांच की जा चुकी है ।

समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे शासन की योजनाओं का लाभ : राज्यपाल रमेन डेका

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रदेश के राज्यपाल रमेन डेका ने अपने दो दिवसीय रायगढ़ प्रवास के प्रथम दिवस जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों से चर्चा कर शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की जानकारी ली। जिला कलेक्टोरेट में आयोजित बैठक में उन्होंने जल संरक्षण, पौधारोपण, पर्यावरण संवर्धन, जैविक कृषि, स्वच्छता, योग, टीबी उन्मूलन, आजीविका, सहकारिता, सड़क सुरक्षा सहित बीस से अधिक बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए अधिकारियों को पूरी गंभीरता, संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। राज्यपाल डेका ने कहा कि शासन की योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब उनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी ढंग से पहुंचे। इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य करें। बैठक में राज्यपाल के सचिव डॉ.सी.आर.प्रसन्ना, कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे। जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने पर दिया जोर राज्यपाल डेका ने जिले में जल संरक्षण एवं जल संचयन के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी लेते हुए कहा कि वर्षा जल की प्रत्येक बूंद का संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने अन्य राज्यों असम, त्रिपुरा एवं छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिला में जल संरक्षण के लिए किये जा रहे कार्यों की जानकारी देते हुए वर्षा जल संग्रहण, वाटर हार्वेस्टिंग तथा जल स्रोतों के संरक्षण के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। साथ ही पुराने कुओं, बावड़ियों तथा अन्य पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जल संरक्षण को जनभागीदारी का अभियान बनाया जाए, जिससे भू-जल स्तर में स्थायी सुधार हो सके। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को जनभागीदारी से जोड़ने के निर्देश राज्यपाल डेका ने जिले में चल रहे पौधारोपण अभियान की समीक्षा करते हुए विशेष रूप से अमृत सरोवर परिसरों में लगाए गए पौधों की संख्या एवं उनकी वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि पौधारोपण केवल संख्या बढ़ाने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण का दीर्घकालीन संकल्प है। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत प्रत्येक नागरिक को कम से कम एक पौधा लगाने के लिए प्रेरित करने तथा विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं अन्य सार्वजनिक परिसरों में व्यापक पौधारोपण सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में बताया गया कि जिले की औद्योगिक इकाइयों के सहयोग से 10 हजार पीपल के पौधे उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिन्हें आमजन तक पहुंचाकर रोपित कराया जाएगा। राज्यपाल ने सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने और मृदा की प्रकृति के अनुरूप पौधारोपण एवं जल संरक्षण की समेकित कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। जैविक खेती एवं फसल विविधीकरण से बढ़े किसानों की आय राज्यपाल डेका ने जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी लेते हुए रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने के लिए जीवामृत, कम्पोस्ट, ग्रीन मैन्योर, मदर कल्चर एवं ब्लू-ग्रीन तकनीकों के उपयोग को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। साथ ही विभिन्न जैविक एवं औषधीय फसलों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने बड़े किसानों को खेती के साथ डबरी निर्माण एवं मत्स्य पालन अपनाने के लिए प्रेरित करने को कहा, ताकि कृषि आय के अतिरिक्त आय के अन्य स्रोत भी विकसित हो सकें। उन्होंने धान के स्थान पर दलहन, तिलहन एवं अन्य लाभकारी फसलों को प्रोत्साहित करने पर भी विशेष जोर दिया।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा की पहल पर कावड़ यात्रियों के लिए निःशुल्क भोजन, विश्राम और सेवा की व्यवस्था

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। पवित्र सावन माह के अवसर पर उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा की पहल पर अमरकंटक स्थित मृत्युंजय आश्रम में कबीरधाम जिले सहित आसपास के कावड़ यात्रियों के लिए निःशुल्क सेवा प्रदान की जा रही है। सावन के पहले ही दिन 500 कांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं ने मृत्युंजय आश्रम में प्रसादी ग्रहण किया। यह सेवा पूरे सावन माह तक संचालित किया जा रहा है, जिसमें श्रद्धालुओं के लिए सुबह की चाय और नाश्ता, दोपहर एवं रात्रि का निःशुल्क सात्विक भोजन, विश्राम स्थल, पेयजल, स्वच्छ शौचालय एवं प्राथमिक चिकित्सा जैसी मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। सेवा का संचालन उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में किया जा रहा है, जो कावड़ यात्रियों का पूरे श्रद्धा और उत्साह के साथ स्वागत एवं सेवा कर रही है। और उन्हें हर संभव सहयोग प्रदान किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि सावन माह भगवान शिव की आराधना का महीना है और शिवभक्तों की सेवा करना वास्तव में शिव सेवा के समान है। उन्होंने कहा कि कावड़ यात्रा कठिन होती है और हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि श्रद्धालुओं को इस यात्रा में किसी प्रकार की असुविधा न हो और वे पूरी आस्था और विश्वास के साथ अपनी भक्ति पूर्ण कर सकें। उल्लेखनीय है कि गत वर्ष लगभग 80 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने इस सेवा का लाभ लिया था और इस वर्ष भी बड़ी संख्या में कावड़ यात्री अमरकंटक पहुँच रहे हैं। लगातार बढ़ती श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए सेवा केंद्र की व्यवस्थाओं का विस्तार भी किया गया है, ताकि किसी भी भक्त को असुविधा न हो।

छत्तीसगढ़ में अमानक पनीर और डेयरी एनालॉग उत्पादों पर लगा प्रतिबंध स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने की थी घोषणा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य सरकार ने अमानक दुग्ध उत्पादों पर सख्त कार्रवाई करते हुए बड़ा फैसला लिया है। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, छत्तीसगढ़ की पूरी सीमा में ऐसे 'डेयरी एनालॉग' या गैर-दुग्ध उत्पादों के निर्माण, प्रसंस्करण, भंडारण, परिवहन, वितरण और विक्रय पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है, जो असली दूध उत्पाद होने का भ्रम पैदा करते हैं। खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 की धारा 30 एवं 18 के तहत यह कार्रवाई की गई है। आदेश में विशेष रूप से पनीर, क्रीम, मक्खन जैसे अमानकीकृत उत्पादों पर रोक लगायी गई है, जिनमें दूध के स्थान पर वनस्पति वसा या वनस्पति तेल का उपयोग किया जाता है।

किन उत्पादों पर लागू होगा प्रतिबंध: जो उत्पाद वास्तविक दुग्ध उत्पाद नहीं हैं जिनमें दूध की जगह वनस्पति वसा, वनस्पति तेल या अन्य गैर-दुग्ध सामग्री का उपयोग हो जिनकी लेबलिंग, पैकेजिंग या प्रदर्शन उपभोक्ताओं को गुमराह करता हो हालांकि फ्रोजन डेजर्ट, प्रोसेस्ड चीज़ और मिक्स्ड फैट स्प्रेड जैसे मानकीकृत उत्पादों को इस प्रतिबंध से बाहर रखा गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह प्रतिबंध राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से एक वर्ष तक, या स्वस्थ्य द्वारा अंतिम नियम जारी होने तक, जो भी पहले हो, प्रभावी रहेगा।खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा जारी विस्तृत आदेश का पालन सभी संबंधित प्राधिकारियों और खाद्य कारोबार संचालकों को करना अनिवार्य होगा।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने टेंट एंड डेकोर एक्सपो का किया शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज रायपुर के लाभांडी में छत्तीसगढ़ टेंट ओनर वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा आयोजित सीजी टेंट एंड डेकोर एक्सपो-2026 का शुभारंभ किया। उन्होंने एक्सपो का अवलोकन कर टेंट एवं डेकोरेशन से जुड़े आधुनिक उत्पादों, आकर्षक डिज़ाइनों और नई तकनीकों की सराहना की। एक्सपो के शुभारंभ के मौके पर विधायक मोतीलाल साहू, टेंट एसोसिएशन के पदाधिकारी तथा देशभर से आए टेंट व्यवसायी एवं इससे जुड़े लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे। उप मुख्यमंत्री साव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि टेंट व्यवसाय आज तेजी से विकसित होकर एक सशक्त उद्योग के रूप में स्थापित हो रहा है। नई थीम और लगातार हो रहे नवाचार इस क्षेत्र को नई पहचान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि कम समय में किसी भी स्थान का स्वरूप बदल देना टेंट व्यवसायियों की रचनात्मकता का उत्कृष्ट उदाहरण है। उप मुख्यमंत्री साव ने एक्सपो की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन कई शहरों के व्यवसायियों को एक मंच पर लाकर अनुभव साझा करने और व्यापार के नए अवसर तलाशने का अवसर देते हैं।

राज्यपाल ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत लगाया पौधा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल रमेन डेका ने आज रायगढ़ प्रवास के दौरान जिला कलेक्टोरेट परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण किया। उन्हो। इस अवसर पर राज्यपाल डेका ने कहा कि प्रकृति संरक्षण केवल पर्यावरण बचाने का प्रयास नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और अस्वस्थ जीवनशैली जैसी चुनौतियां बढ़ रही हैं। इनसे निपटने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझते हुए पौधरोपण और पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देना होगा। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की सराहना करते हुए कहा कि यह अभियान पर्यावरण संरक्षण के साथ भावनात्मक जुड़ाव का भी प्रतीक है।

जनसेवा और डिजिटल सशक्तिकरण से मिली राज्यस्तरीय पहचान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कभी नक्सल प्रभावित क्षेत्र के रूप में पहचाने जाने वाला सुकमा जिला आज विकास और डिजिटल सेवाओं के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस बदलाव में कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) संचालकों की अहम भूमिका रही है। छिंदगढ़ के सीएससी संचालक चंद्रशेखर साहू ने अपनी मेहनत और समर्पण से ग्रामीणों तक सरकारी योजनाएं और डिजिटल सेवाएं पहुंचाई हैं। उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए उन्हें राज्य स्तर पर सम्मानित किया गया है। 15 वर्षों की निरंतर सेवा और बैंकिंग से जुड़ाव पिछले 15 वर्षों से चंद्रशेखर साहू लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा कार्य कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के बैंक मित्र (बीसी) के रूप में उन्होंने अब तक 50 हजार से अधिक बैंक खाते खोले हैं। यह उपलब्धि ग्रामीणों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ग्रामीणों तक सरकारी योजनाओं की प्रभावी पहुंच वे ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाओं के साथ-साथ बीमा, आधार सेवाएं, किसान पंजीयन, श्रमिक पंजीयन, महतारी वंदन योजना और श्रम योगी मानधन योजना जैसी कई सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इससे ग्रामीणों का समय और खर्च दोनों की बचत हो रही है और उन्हें सभी सेवाएं एक ही स्थान पर आसानी से उपलब्ध हो रही हैं। टीमवर्क और मार्गदर्शन का योगदान उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय सीएससी जिला प्रबंधक शेख शाहरुख के मार्गदर्शन और जिला टीम के सहयोग को दिया है। उनका कहना है कि टीमवर्क और सेवा भावना के माध्यम से ही दूरस्थ क्षेत्रों में लोगों तक योजनाओं का प्रभावी लाभ पहुंचाना संभव हुआ है। चंद्रशेखर साहू को मिला राज्यस्तरीय सम्मान उनकी मेहनत, लगन और सेवा भावना का परिणाम है।

बाढ़ आपदा को लेकर सरकार पूरी तरह सतर्क, महानदी तटवर्ती क्षेत्रों में तैयारियां तेज : वित्त मंत्री ओपी चौधरी

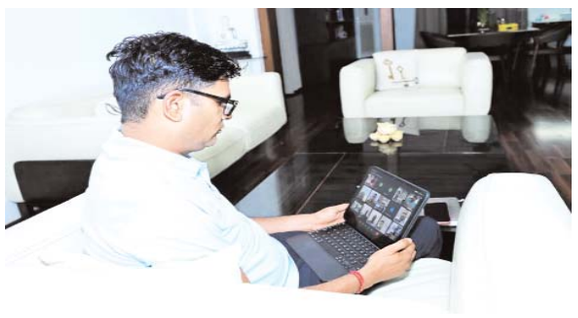

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने महानदी के तटवर्ती क्षेत्रों में संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए वर्चुअल माध्यम से अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने महानदी के जलस्तर, राहत एवं बचाव की तैयारियों तथा विभिन्न विभागों के समन्वय की विस्तार से समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री चौधरी ने कहा कि रायगढ़ जिले के महानदी तटवर्ती गांवों के साथ-साथ सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के सरिया अंचल और चंद्रपुर क्षेत्र के नदी किनारे बसे गांवों में जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। राज्य सरकार स्थिति पर पूरी गंभीरता और सतर्कता के साथ लगातार नजर बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के सभी संबंधित विभाग और अधिकारी ओडिशा सरकार के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर महानदी के जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। हीराकुंड बांध के गेटों के संचालन को लेकर भी लगातार समन्वय किया जा रहा है, ताकि संभावित बाढ़ के प्रभाव को कम किया जा सके। वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि सरकार हर संभव प्रयास कर रही है, लेकिन एहतियात के तौर पर सभी नागरिकों को भी पूरी तैयारी रखनी चाहिए। यदि बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होती है तो प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें, सुरक्षित स्थानों पर जाने में सहयोग करें तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखें, राहत एवं बचाव दलों को पूरी तरह तैयार रखें तथा आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करें। जनप्रतिनिधियों से भी उन्होंने स्थानीय स्तर पर लोगों को जागरूक करने और प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने का आग्रह किया। चौधरी ने विश्वास व्यक्त किया कि सरकार, प्रशासन और जनता के सामूहिक सहयोग से किसी भी संभावित आपदा का प्रभावी ढंग से सामना किया जाएगा तथा जन-धन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी।

सेवा, शिद्दत और संकल्प से करें काम -अरुण साव उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने विकास कार्यों और योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री तथा बेमेतरा जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव ने आज बेमेतरा जिला मुख्यालय में अधिकारियों की बैठक लेकर केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन तथा जिले के समग्र विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने बैठक में अधिकारियों से कहा कि वे सेवा, शिद्दत और संकल्प के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें तथा बेमेतरा को विकास के हर क्षेत्र में प्रदेश का अग्रणी जिला बनाने के लिए समर्पित भाव से कार्य करें। उन्होंने कहा कि बेमेतरा भौगोलिक एवं प्रशासनिक दृष्टि से अनुकूल जिला है, जहां बेहतर कार्य करने की अपार संभावनाएं हैं। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री दयाल दास बघेल, विधायक दीपेश साहू और ईश्वर साहू तथा कलेक्टर मती प्रतिष्ठा ममगाई भी बैठक में शामिल हुईं। उन्होंने कहा कि एक सफल अधिकारी वही होता है जो पूर्व नियोजित कार्ययोजना के साथ निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करता है। सभी अधिकारी जनसेवक की भावना से कार्य करते हुए जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरें, स्वयं का नियमित मूल्यांकन करें तथा अपनी कमियों को दूर कर बेहतर परिणाम सुनिश्चित करें। समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निर्माण पूर्ण करने के निर्देश साव ने जिले में संचालित विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी स्वीकृत निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, आदिवासी विकास प्राधिकरण सहित अन्य निर्माण परियोजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की।जल संरक्षण, पर्यावरण एवं स्वच्छता पर विशेष फोकस उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बढ़ते शहरीकरण के बीच जल संकट और प्रदूषण बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं। इसलिए जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं। उन्होंने वर्षा जल संग्रहण, पुराने तालाबों एवं नहरों के जीर्णोद्धार, जल संरक्षण अभियान, व्यापक वृक्षारोपण, पार्कों के विकास तथा प्रदूषण नियंत्रण के प्रभावी उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, कचरे के पृथक्करण और सार्वजनिक स्थलों की नियमित सफाई पर विशेष जोर दिया।

जल संचय, कृषि एवं स्वास्थ्य पर विशेष जोर

उप मुख्यमंत्री ने खरीफ सीजन को देखते हुए किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद-बीज उपलब्ध कराने, मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाने तथा जल संरक्षण, जल संवर्धन और जल संचयन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत निर्मित योजनाओं को ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित कर उनके सुचारु संचालन पर भी बल दिया। उन्होंने बारिश के दौरान क्षतिग्रस्त सड़कों की शीघ्र मरम्मत तथा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए ग्राम पंचायतों के माध्यम से जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश भी दिए गए।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा